Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 58
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 06 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 राज्यसभा चुनावः प्रियंका चतुर्वेदी को क्यों नहीं ... 4 ईरान-अमेरिका-इज़राइल युद्ध देखते देखते ... 7 टी20 वर्ल्ड कप : सेमीफाइनल से पहले ...

संक्षिप्त न्यूज

बंगाल में एसआईआर की जांच का डर, 48 घंटों में 3 लोगों ने आत्महत्या

कोलकाता। राज्य में पिछले 48 घंटों में एसआईआर के फैसले के साये में आए तीन लोगों ने आत्महत्या कर ली। एक अन्य व्यक्ति की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण मृत्यु हो गई, जिसके लिए परिवार ने एसआईआर से संबंधित चिंता को जिम्मेदार ठहराया है। मगरहाट के 44 वर्षीय वैन चालक रफीक अली गाजी ने कथित तौर पर मंगलवार रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जब उन्हें पता चला कि पिछले शनिवार को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में उनका नाम 'विचाराधीन' के रूप में दर्ज है।

रफीक की पत्नी अमीना बीबी ने चुनाव आयोग के खिलाफ उस्ती पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं ने शव के साथ विरोध प्रदर्शन किया और बुधवार को कुछ समय के लिए उस्ती-शिराकोल सड़क को अवरुद्ध कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रफीक अली गाजी (44) का शव दक्षिण 24 परगना के घोलपारा इलाके में बुधवार सुबह अपने कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। उन्होंने कहा, गाजी का नाम सूची में विचाराधीन श्रेणी में पाया गया। उनके परिवार ने दावा किया कि उस श्रेणी में अपना नाम पाकर वह गंभीर मानसिक तनाव में थे। पुलिस ने कहा कि इससे पहले एक अन्य घटना में जलपाईगुड़ी शहर में मोमो विक्रेता गौरंगा डे (62) को भी मंगलवार सुबह अपने आवास के शौचालय में लटका हुआ पाया गया था।

तृणमूल कांग्रेस ने कहा, एक बार फिर त्रासदी

डे की मौत को अंतिम सूची में उनके नाम के गायब होने से जोड़ते हुए, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि बंगाल में एक बार फिर दिल दहला देने वाली त्रासदी हुई।

'सैन्य संघर्ष समाधान नहीं':

पीएम मोदी ने की रूस-यूक्रेन और ईरान जंग रोकने की अपील कर कहा- संवाद एकमात्र तरीका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की मौजूदगी में हैदराबाद हाउस में दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इससे पहले फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की गई। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायसीना डायलॉग 2026 को संबोधित करते समय रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से अधिक समय से जारी हिंसक संघर्ष को खत्म करने की वकालत की। उन्होंने इसके अलावा पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध को भी जल्द से जल्द समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघर्षों को सुलझाने का एकमात्र तरीका संवाद और कूटनीति ही है।

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'एक स्वस्थ ग्रह हमारी साझा प्राथमिकता है। हमें खुशी है कि इस वर्ष हम फिनलैंड के साथ मिलकर भारत में विश्व चक्रीय अर्थव्यवस्था मंच की मेजबानी करेंगे। इससे हमारे सतत विकास प्रयासों को नई गति और नए विचार मिलेंगे। भारत

और फिनलैंड दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं।'

सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का समाधान नहीं: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम इस बात पर एकमत हैं कि केवल सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष के शीघ्र अंत और शांति के लिए हर प्रयास का समर्थन करते रहेंगे। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार न केवल आवश्यक है, बल्कि अत्यावश्यक भी है, और आतंकवाद को उसके सभी रूपों में समाप्त करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा, '13वें फिनलैंड के राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहली भारत यात्रा पर मैं राष्ट्रपति स्टब का हार्दिक स्वागत करता हूं। आप जैसे अनुभवी और बेजोड़े नेता का इस वर्ष के रायसीना डायलॉग का चीफ गेस्ट बनना हमारे लिए बहुत सम्मान और खुशी की बात है।'

भारत और फिनलैंड महत्वपूर्ण साझेदार हैं: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा कि, 'वर्ष 2026 की शुरुआत में ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता हुआ। ये एग्रीमेंट भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को और प्रबल करेगा। डिजिटल प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में भारत और फिनलैंड महत्वपूर्ण साझेदार हैं। नोकिया के मोबाइल फोन और टेलीकॉम नेटवर्क ने करोड़ों भारतीयों को जोड़ा है। फिनलैंड के आर्किटेक्ट के सहयोग से हमने चिनाब नदी पर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है।'

विपक्ष के नेता अशोक का तंज

'पीएम की आलोचना और गारंटी का जिक्र होंगी राज्य बजट की मुख्य बातें'

बंगलूरू। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने गुरुवार को राज्य बजट पेश होने से पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर तंज कसा। उन्होंने दावा किया सरकार करीब 1.15 लाख करोड़ रुपये कर्ज लेने वाली है और जनता पर नए कर (टैक्स) लगाए जा सकते हैं।

अशोक ने कहा कि बजट में कुछ नया नहीं होगा। उन्होंने कहा, बजट की मुख्य बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना और पांच गारंटी योजनाओं 'शक्ति', 'गृह लक्ष्मी', 'गृह ज्योति', 'युवा निधि' और 'अन्न भाग्य' का कई बार जिक्र होंगी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कल यानी 6 मार्च को 2026-27 का राज्य का बजट पेश करने वाले हैं। यह उनका रिकॉर्ड 17वां बजट होगा। उनके पास वित्त विभाग भी है।

अशोक ने कहा कि सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का बजट शुक्रवार को पेश होगा। केंद्रीय बजट में जहां वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने करों का बोझ कम किया, वहीं सिद्धारमैया लोगों पर कर लगाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वह हर महीने करीब चार नए कर लगाते हैं और अब तक 36 कर लागू कर चुके हैं। अब और कर लगाने के तरीके ढूंढ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले लोगों से वादा किया था कि गारंटी योजनाएं बिना किसी अतिरिक्त

बोझ के लागू की जाएंगी। अशोक ने दावा किया कि मुख्यमंत्री का कार्यकाल खत्म होने तक राज्य का कुल कर्ज संभवतः छह लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा। उन्होंने कहा, सरकार पहले ही वित्तीय अनुशासन तोड़ चुकी है और किसी तरह हालात संभालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा, सिद्धारमैया ने जितना कर्ज लिया है, वह पिछले 12 या 13 मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में लिए गए कुल कर्ज के बराबर है।

गन्ना मजदूरों के लिए व्यापक कानून आवश्यक- उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे

मुंबई।राज्य में गन्ना मजदूरों की स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक स्थिति सुधारने के लिए एक व्यापक कानून बनाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही मजदूरों को आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध हो सके, इसके लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से तत्काल सहायता प्रदान करने के निर्देश भी दिए जाएं। यह मत विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोऱ्हे ने व्यक्त किया। विधान भवन में गन्ना मजदूरों के कल्याण के लिए किए जा रहे उपायों और उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा के लिए डॉ. गोऱ्हे की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सहकार विभाग के प्रधान सचिव प्रवीण दराडे, गन्ना आयुक्त संजय कोल्टे, परिवार कल्याण के उपनिदेशक डॉ. आशीष भारती (पुणे) तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा भारत केंद्र ऑनलाइन के अंतर्गत गन्ना कटाई मजदूर निगम के महाप्रबंधक गोपीनाथ मुंडे भी बैठक में मौजूद थे।

उपसभापति डॉ. नीलम गोऱ्हे ने कहा कि गन्ना मजदूरों की विभिन्न समस्याओं का गहराई से अध्ययन कर उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए एक व्यापक कानून तैयार कर प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि गमबूट, विद्युत हार्वेस्टर, दस्ताने और महिला मजदूरों के लिए सैनिटरी नैपकिन जैसी आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध कराने के लिए डीबीटी के माध्यम से आर्थिक सहायता देना अधिक प्रभावी होगा।

खरगे का सरकार पर वार, बोले- पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में

टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र (छैं) में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है?

उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा? उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय के 3 मार्च, 2026 के बयान का भी हवाला दिया।

नीतीश कुमार की दिल्ली में नई पारी, उपेंद्र कुशवाहा बोले- '20 साल बिहार की सेवा की, अब देश की करेंगे'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के राज्यसभा उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा ने गुरुवार को राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद नीतीश कुमार के इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने 20 वर्षों से अधिक समय तक बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की और अब वे दिल्ली की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि एनडीए के उम्मीदवारों के रूप में, आज 5 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया है... सभी उम्मीदवारों की जीत निश्चित है... नीतीश कुमार (राज्यसभा) जा रहे हैं; यह उनका फैसला है, और सभी उनके इस फैसले की सराहना करते हैं। उन्होंने 20 वर्षों से अधिक समय तक बिहार की सेवा की; अब वे दिल्ली की सेवा करेंगे। बीहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने दो दशकों से अधिक समय तक राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। उन्होंने पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल

किया। इससे पहले आज, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार के बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल को राज्य के इतिहास का 'स्वर्ण अध्याय' बताया और राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने पर राष्ट्रीय राजनीति में उनकी वापसी का स्वागत किया।

अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के 'शानदार' कार्यकाल पर जोर दिया, जिसके दौरान उन्होंने बिहार की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इसके साथ ही, लंबे अंतराल के बाद वे राज्यसभा सांसद के रूप में एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे। नीतीश कुमार 2005 से अब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनका कार्यकाल वास्तव में गौरवशाली रहा। यह कार्यकाल बिहार के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में लिखा जाएगा, जिसने बिहार के विकास के सभी पहलुओं को आकार दिया... विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने लंबे करियर में उनका कुर्ता कभी कलंकित नहीं हुआ। उनका पूरा जीवन भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त रहा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों तक उन्होंने बिहार की प्रगति में हर तरह से महत्वपूर्ण योगदान दिया, और उन्हीं के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी की सभी पहलें बिहार की जनता तक पहुंचीं... वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में दिल्ली लौट रहे हैं।

असम चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका, 3 निलंबित विधायक भाजपा में शामिल

गुवाहटी। असम विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के तीन निलंबित विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ, बसंत दास और शशि कांत दास भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। इस दलबदल से कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर गंभीर असर पड़ सकता है, खासकर तब जब भाजपा नेता कांग्रेस की उम्मीदवार सूची को वंशवाद से जुड़ा बताते हुए लगातार निशाना साध रहे हैं।

असम कांग्रेस के तीनों निलंबित विधायक शनिवार को गुवाहाटी स्थित राज्य भाजपा मुख्यालय में राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस नेताओं का भाजपा में जाना पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। इससे पहले पिछले महीने असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह भी सत्तारूढ़ दल में शामिल हो चुके हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बताया कि अन्य पार्टियों, विशेषकर कांग्रेस के नेता और पदाधिकारी भी भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे भाजपा की विचारधारा के प्रति अपना समर्थन जता रहे हैं।

मार्गेरिटा ने यह भी कहा कि आगामी चुनावों के लिए कांग्रेस द्वारा जारी 42 उम्मीदवारों की सूची में कोई नया चेहरा नहीं है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए 42 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की सूची में शामिल 42 उम्मीदवारों में से लगभग 20 को पिछले चुनावों में जनता कई बार नकार चुकी है। इससे भाजपा को कोई चिंता नहीं है।

इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस की उम्मीदवार सूची की आलोचना करते हुए इसे 'वंशवादी सूची' बताया था। उन्होंने कहा कि भाजपा की सूची में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी और पार्टी आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार कांग्रेस की सूची में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई (जोरहाट), बिटुपन सैकिया (गोलाघाट), अब्दस सोबाहन अली सरकार (गौरीपुर), मार्कलाइन मारक (गोलपारा पश्चिम - एसटी), गिरीश बरुआ (बोंगाईगांव), महानंदा सरकार (बारपेटा - एससी) और रामेन सिंह राभा (बोको-चायगांव - एसटी) सहित कई उम्मीदवार शामिल हैं।

'जीत के लिए कस लें कमर', एम. के. स्टालिन का खुला पत्र, तिरुचिरापल्ली में डीएमके बनाएगी चुनावी 'मास्टर प्लान'

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के नेताओं और कार्यकर्ताओं को 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य सम्मेलन में आमंत्रित किया। एक खुले पत्र में एमके स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वान किया। स्टालिन ने लिखा कि हमारे नेता कलाइग्नार के प्रिय भाइयों और बहनों, जो हमारे जीवन से जुड़े हुए हैं, आप में से ही एक द्वारा लिखा गया यह निमंत्रण त्रिची सम्मेलन में है।

स्टालिन ने कहा कि मैं आप सभी साथियों को द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के भव्य विशेष चुनाव सम्मेलन में देखने के लिए उत्सुकता से यह पत्र लिख रहा हूँ, जो द्रविड़ राजनीति का महान आंदोलन है और वीर योद्धाओं के गढ़ त्रिची में 'स्टालिन का शासन जारी रहे - तमिलनाडु की जीत हो' के विषय पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 9 मार्च को तिरुचिरापल्ली के सिरुगनूर में पार्टी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें पार्टी मुख्यालय से लेकर शाखा इकाइयों तक, पार्टी के सभी स्तरों के लगभग दस लाख पार्टी प्रशासक शामिल होंगे। 2026 का चुनाव हमारी सारी मेहनत का फल पाने का समय है। उस चुनावी मैदान के लिए खुद को तैयार करने के लिए हम त्रिची के सिरुगनूर में एकत्रित हो रहे हैं।

तमिलनाडु वेट मंत्री और तिरुचिरापल्ली पश्चिम के विधायक केएन नेहरू की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को मैंने व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रशासक को निमंत्रण पत्र भेजा था।

सीएम धामी सरकार हर मोर्चे पर पास, जीएसडीपीसे रोजगार तक में जबरदस्त उछाल

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड के आर्थिक सर्वेक्षण के सकारात्मक आंकड़े सतत विकास और सुशासन की दिशा में राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणाम दर्शाते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी), प्रति व्यक्ति आय, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), स्टार्टअप और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति दर्शाती है कि उत्तराखंड विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार रोजगार सृजन, निवेश प्रोत्साहन और जन कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्तराखंड को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधान सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम ने गुरुवार को सचिवालय मीडिया सेंटर में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का जीएसडीपी 3,81,889 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2021-22 में

यह 2.54 लाख करोड़ रुपये था, जो डेढ़ गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय 2021-22 में 1,94,670 रुपये थी, जो 2024-25 में बढ़कर 2,73,921 रुपये हो गई है।

प्रधान सचिव ने कहा कि 2024-25 में राज्य की विकास दर 7.23 प्रतिशत रही। बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2021-22 के 9.7 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 6.92 प्रतिशत हो गया है। श्रम बल सहभागिता दर 2021-22 के 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 64.4 प्रतिशत हो गई है, जो रोजगार में भागीदारी में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में भी लगातार सुधार हुआ है, जो 2001 में 0.247 से बढ़कर 2017 में 0.684, 2021-22 में 0.718 और 2024-25 में 0.722 हो गया है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने आगे बताया कि राज्य में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की संख्या 2021-22 में 59,798 से बढ़कर 2024-25 में 79,394 हो गई है। एमएसएमई के अंतर्गत रोजगार 2022 में 3,43,922 से बढ़कर 2025 में 4,56,605 हो गया है। राज्य में बड़े उद्योगों की संख्या 2021-22 में 107 से बढ़कर 2024-25 में 128 हो गई है।

पिता शरद पवार के लिए भावुक हुईं सुप्रिया सुले, बोलीं- सोनिया और राहुल गांधी का आभारी हूं

दिव्यांश

मुंबई(संवाददाता)

एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को शरद पवार के राज्यसभा नामांकन का समर्थन करने के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे और मल्लिकार्जुन खर्गे सहित प्रमुख नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह निर्णय महा विकास अघाड़ी द्वारा लिया गया था, जो गठबंधन सहयोगियों के बीच एकता का प्रतीक है। सांसद सुले ने पार्टी के साथ खड़े रहने और गठबंधन द्वारा लिए गए निर्णय का समर्थन करने के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, संजय राउत, आदित्य ठाकरे और मल्लिकार्जुन खर्गे के साथ-साथ कांग्रेस और शिवसेना के नेताओं को धन्यवाद दिया।

सुले ने पत्रकारों से कहा कि मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, संजय राउत, आदित्य ठाकरे... और मल्लिकार्जुन खर्गे, साथ ही हर उस कांग्रेस नेता का तहे दिल से आभारी हूं जो हमारे साथ खड़े रहे, और उन वरिष्ठ शिवसेना नेताओं का जिनके साथ हमने काम किया, और उन सभी का जिन्होंने शरद पवार साहब के साथ छह दशकों तक काम किया। महा विकास अघाड़ी

की ओर से शरद पवार साहब का फॉर्म भरने के उनके फैसले के लिए मैं तहे दिल से उनका आभारी हूं, और मैं वास्तव में सभी का आभारी हूं। महाराष्ट्र विधानसभा में वर्तमान विधायी संख्या के आधार पर, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास उन छह सीटों पर आराम से जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त संख्या है। विपक्षी एमवीए गठबंधन - जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं - के पास सातवीं और अंतिम सीट हासिल करने के लिए ठीक उतने ही संयुक्त वोट (36 प्रथम वरीयता वोटों की आवश्यकता) हैं।

इससे पहले 4 मार्च को, कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा कि पार्टी उच्च स्तर के आह्वान के बाद आगामी राज्यसभा चुनावों में शरद पवार का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने शुरू में इस सीट पर दावा किया था, लेकिन एनसीपी के साथ समन्वय और महा विकास अघाड़ी के सिद्धांतों का पालन करते हुए पवार का समर्थन किया गया, जो महत्वपूर्ण चुनावों से पहले गठबंधन सहयोगियों के बीच एकता को दर्शाता है।

पत्रकारों से बात करते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि हमने राज्यसभा सीट पर दावा किया था क्योंकि हमारी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है। इसकी प्रबल मांग थी। हालांकि, एनसीपी के शरद पवार गुट के कई नेताओं ने हमसे संपर्क किया और उद्धव ठाकरे से भी बात की। इनमें शरद पवार सबसे वरिष्ठ हैं... हम महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। हमारे हाई कमांड ने पवार साहब का समर्थन करने का फैसला किया है। हमें फोन आया है कि मल्लिकार्जुन खर्गे ने पवार साहब का समर्थन करने का फैसला किया है।

अजित पवार विमान हादसा: सीआईडी ने तेज की मामले की जांच, वीएसआर कंपनी के अधिकारियों से की पूछताछ; जानें अपडेट

पुणे। महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने गुरुवार को वीएसआर वेंचर्स के बड़े अधिकारियों से पूछताछ की। इसी कंपनी का विमान बारामती में हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान चली गई थी। सीआईडी के एक अधिकारी ने इस कार्रवाई की जानकारी दी है। हालांकि, जांच अभी चल रही है, इसलिए उन्होंने ज्यादा विवरण नहीं दिया।

क्या है मामला?

28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती एयर स्ट्रिप के पास वीएसआर वेंचर्स का 'लियरजेट 45' विमान क्रैश हो गया था। इस दुखद घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद बारामती तालुका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था। बाद में इस केस की जांच पुणे सीआईडी को सौंप दी गई। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि क्या इस हादसे के पीछे कोई साजिश थी या यह आपराधिक लापरवाही का मामला है। सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी ने इस संबंध में कंपनी को कुछ सवालों की सूची भी भेजी थी।

अब इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने बुधवार को आरोप लगाया कि कोई वीएसआर वेंचर्स को बचाने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने दावा किया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट ने उनके शक को सही साबित किया है।

एएआईबी की रिपोर्ट में क्या?

एएआईबी की 22 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया है कि हादसे के समय दृश्यता (विजिबिलिटी) बहुत कम थी। रिपोर्ट में रनवे पर धुंधले निशान और वहां ढीली बजरी होने की बात भी कही गई है। वहीं, अजित पवार के बेटे जय पवार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी के मालिक रोहित सिंह उड़ान के दौरान पायलट की सीट पर सो रहे थे। जय पवार ने रोहित सिंह की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक वीएसआर वेंचर्स के सभी विमानों की उड़ानों पर रोक लगा देनी चाहिए।

फरवरी 2026 में प्रि-डिपार्चर डिटेंशन के मामले में रतलाम मंडल भारतीय रेलवे में प्रथम

रतलाम। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। वर्ष के अंतिम चरण में पहुँचते हुए फरवरी 2026 में मंडल ने एक और उल्लेखनीय सफलता अपने नाम की है। रतलाम मंडल ने प्रि-डिपार्चर डिटेंशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नई उपलब्धि दर्ज की है। भारतीय रेलवे के उन बड़े मंडलों में, जहाँ प्रतिदिन 100 से अधिक मालगाड़ियों के लिए टीए जारी किए जाते हैं, रतलाम मंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पश्चिम रेलवे को गौरवान्वित किया है।

यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक के नेतृत्व, परिचालन विभाग के कुशल मार्गदर्शन तथा परिचालन से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम है। इसी सामूहिक प्रयास के कारण रतलाम मंडल इस महत्वपूर्ण मुकाम तक पहुँचने में सफल हुआ है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए मंडल में क्रू बुकिंग की प्रक्रिया को पूरी तरह आधुनिक बनाया गया है। क्रू बुकिंग में 100 प्रतिशत एफओआईएस-सीएमएस (ङफ्रेट ऑपरेशन मैनेजमेंट सिस्टमङ और ङक्रू मैनेजमेंट सिस्टमङ) का एकीकरण सुनिश्चित किया गया है तथा बुकिंग केवल इंटीग्रेटेड एफओआईएस आईडी के माध्यम से की जा रही है। इसके साथ ही

क्रू लॉबी की नियमित निगरानी की व्यवस्था की गई है, जिससे क्रू को समय पर ड्यूटी के लिए भेजना और समय पर क्रू टीए प्रदान करना संभव हो सका है तथा पुट-बैक प्रक्रिया भी समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा रही है।

रेलवे यार्डों में उन ट्रेनों के लिए अलग-अलग सेगमेंटेशन की व्यवस्था की गई है जो थ्रू ट्रेन होती हैं या जिनमें इंजन परिवर्तन की आवश्यकता होती है। इससे संचालन में होने वाली अनावश्यक देरी को काफी हद तक कम किया गया है। साथ ही मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार, क्रू के कार्य घंटों पर बेहतर नियंत्रण तथा प्रमुख यार्डों और क्रू बदलने के स्थानों पर होने वाली कंजेशन में कमी भी इस सफलता के प्रमुख कारक रहे हैं।

इन्हीं प्रयासों और प्रभावी समन्वय का परिणाम है कि फरवरी 2026 में रतलाम मंडल ने 41 मिनट की प्रि-डिपार्चर डिटेंशन के साथ भारतीय रेलवे के उन प्रमुख मंडलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जहाँ से प्रतिदिन 100 से अधिक ट्रेनों के लिए टीए जारी किए जाते हैं।

सरकारी हॉस्टल में शर्मनाक कांड: सात महीने तक जूनियर छात्रों का शोषण करते रहे सीनियर छात्र; पॉक्सो में केस दर्ज

नाशिक। महाराष्ट्र के नाशिक जिले से एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां इगतपुरी में समाज कल्याण विभाग द्वारा चलाए जाने वाले एक सरकारी हॉस्टल में 10वीं कक्षा के सात छात्रों पर अपने जूनियर छात्रों का शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है। यह मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी छात्रों के साथ-साथ हॉस्टल के अधीक्षक के खिलाफ भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

सात महीने से चल रहा था घिनौना खेल

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी छात्र हॉस्टल में रहने वाले पांचवीं से सातवीं कक्षा के छात्रों को नशीला पदार्थ देते थे। इसके बाद वे उनके साथ अप्राकृतिक कृत्य करते थे। यह घिनौना खेल पिछले सात महीनों से चल रहा था, लेकिन डर के कारण कोई भी छात्र शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था।

एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित छात्रों ने इस बारे में हॉस्टल अधीक्षक सुशांत दूधसागरे को जानकारी दी थी। लेकिन अधीक्षक ने इस गंभीर मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया और न ही कोई कार्रवाई की। इसी लापरवाही के कारण उन्हें भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है।

प्रशासन ने शुरू की जांच

जिला कलेक्टर आयुष प्रसाद ने इस मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया, '10वीं कक्षा के सात छात्रों और हॉस्टल अधीक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। बाल कल्याण समिति भी इस मामले की जांच कर रही है।' इस घटना के सामने आने के बाद जिला परिषद के समाज कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी डॉ. संजय शिंदे ने भी अपनी टीम के साथ हॉस्टल का दौरा किया।

डॉ. शिंदे की टीम ने मौके पर जांच की और अपनी रिपोर्ट जिला परिषद के सीईओ को सौंप दी है। सीईओ को इस मामले में आगे की जांच करने के लिए कहा गया है। वहीं, पुलिस ने सभी सात आरोपी छात्रों को पकड़कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

बिना टिकट यात्रा के खिलाफ अभियान: पश्चिम रेलवे ने वसूले 191 करोड़ रुपये से अधिक जुर्माना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई: पश्चिम रेलवे ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के लिए अपने नेटवर्क पर व्यापक टिकट जांच अभियान चलाया है। इन सघन अभियानों के दौरान अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच पश्चिम रेलवे ने 191 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की निगरानी में टिकट जांच कर्मचारियों की टीम ने मुंबई उपनगरीय लोकल, लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, यात्री सेवाओं और विशेष अवकाश ट्रेनों में व्यापक जांच अभियान चलाया। इसका उद्देश्य राजस्व हानि को रोकना और यात्रियों में अनुशासन बनाए रखना है।

इस अवधि में लगभग 30 लाख बिना टिकट या अनियमित यात्रियों (जिसमें बिना बुक किए गए सामान के मामले भी शामिल हैं) को पकड़ा

गया, जिससे 191 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली हुई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 42 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्शाता है।

फरवरी 2026 के दौरान ही लगभग 3 लाख मामलों में बिना टिकट या अनियमित यात्रा पकड़ी गई और करीब 18.50 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि है।

मुंबई उपनगरीय रेल में भी सख्त जांच

मुंबई उपनगरीय रेल खंड में भी सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। फरवरी 2026 में लगभग 87 हजार मामलों में बिना टिकट या अनियमित यात्रा पकड़ी गई, जिससे 4.28 करोड़ रुपये की वसूली हुई।

अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच मुंबई उपनगरीय खंड में 10 लाख से अधिक मामलों का पता चला और लगभग 50 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जिसमें एसी लोकल ट्रेनों में लगाए गए जुर्माने भी शामिल हैं।

एसी लोकल में भी बढ़ी कार्रवाई

पश्चिम रेलवे ने एसी उपनगरीय लोकल ट्रेनों में भी विशेष जांच अभियान चलाया। सामान्य टिकट लेकर एसी लोकल में यात्रा करने वालों पर रोक लगाने के लिए बार-बार अचानक जांच की गई। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच एसी लोकल सेवाओं में 1.16 लाख से अधिक जुर्माने के मामले दर्ज किए गए, जिससे 3.76 करोड़ रुपये की वसूली हुई। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 99 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे ने कहा कि यात्रियों को हमेशा वैध टिकट लेकर ही यात्रा करने की सलाह दी जाती है, ताकि रेल सेवाओं में अनुशासन और सुचारु व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच चलाएगी दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुविधा तथा बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच विशेष किराये पर दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें चलाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 09027/09028 मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट तेजस स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09027 मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद स्पेशल शनिवार, 07 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल से 23:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 08:30 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09028 अहमदाबाद - मुंबई सेंट्रल स्पेशल सोमवार, 09 मार्च 2026 को अहमदाबाद से 03:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11:15 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर तथा एसी 3-टियर श्रेणी के कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09021/09022 मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल ड02 फेरे.

ट्रेन संख्या 09021 मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद स्पेशल रविवार, 08 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल से 06:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 12:40 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09022 अहमदाबाद - मुंबई सेंट्रल स्पेशल रविवार, 08 मार्च 2026 को अहमदाबाद से 15:10 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21:45 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में विस्टाडोम, एग्जीक्यूटिव अनुभूति, एग्जीक्यूटिव चेयर कार तथा एसी चेयर कार कोच होंगे।ट्रेन संख्या 09027 एवं 09028 की बुकिंग 06.03.2026 से तथा ट्रेन संख्या 09021 एवं 09022 की बुकिंग 07.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई–निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. बीएसएल–एन–एसएनटी–27–2025–26 दिनांक 03.03.2026 (खुली ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) मध्य रेल, भुसावल द्वारा डिजीटली हस्ताक्षरित ऑन लाईन खुली ई–निविदाएँ पात्र निविदाकर्ताओं से निम्न लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। **अक्र:– 1., विवरण:–** ई–निविदा सूचना सं. **टिप्पणी:–** बीएसएल–एन–एसएनटी–27–2025–26 दिनांक 03.03.2026 **2. कार्य का नाम:–** मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में 2027 के कुंभ मेले के संदर्भ में दूरसंचार कार्य के अंतर्गत देवलाली, नासिक रोड, ओढ़ा, खेरवाड़ी और कस्बे सुकेने स्टेशन पर यात्री सूचना प्रणाली जैसे कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, ट्रेन इंडिकेशन डिस्प्ले बोर्ड, आउटडोर वीडियो डिस्प्ले (वीडियो वॉल), मल्टीलाइन डिस्प्ले बोर्ड, पीए सिस्टम आदि की व्यवस्था करने का कार्य। **3. कार्य की अनुमानित लागत:–** रु. 199020954.51/– (उन्नीस करोड़ नब्बे लाख बीस हजार नौ सौ चौवन रूपये एवं इकावन पैसे मात्र) **4. निविदा फार्म/बुकलेट की किमत:–** नहीं, **5. बयाना राशी:–** Rs. 11,45,100.00/–, **6. कार्य पूरा करने का समय:–** 8 माह एलओए देने के बाद।, **7. निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि:–** 11/03/2026, **8. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय:–** 25.03.2026 के 15.00 बजे तक।, **9. निविदा खुलने की तिथि और समय:–** 25/03/2026 के 15.30 बजे (यदि संभव हो तो), 10. वेबसाइट का विवरणजहा से निविदा सूचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है।:– **www.ireps.gov.in**

मंडल रेल प्रबंधक (सि. एवं दू.), भुसावल

BSL-05

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

इंजीनियरींग कार्य के संबंध में सिग्नलींग कार्य

निविदा सूचना सं. S&T/BRC/25-26/38/SIG-R दिनांक : 02.03.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/वडोदरा निविदा सं. SandT_BRC_25-26_38_SIG-R के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बिडर्स बिड बंद होने की तारीख और समय तक उनके प्रमाणित/संशोधित जमा कराने को समर्थ रहेंगे, यह निविदा के सामने मेन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है एवं ऐसे किसी भी प्रकार के मेन्युअल प्रस्तावों को ध्यान में नहीं लिया जायेगा। **(1) कार्य का नाम उसके स्थान सहित:** (1) आणंद–गोधरा अनुभाग: रोड अंडर ब्रिज का प्रावधान करके समपार फाटकों के 08 नंग (LC सं. 2, 10, 13, 17, 38, 48, 54A, 64) का निरसन, (2) वडोदरा मंडल : आणंद–गोधरा अनुभाग : आणंद–गोधरा अनुभाग पर पुल सं. 32, 35 और 51 के पुनःनिर्माण, (3) आणंद–गोधरा अनुभाग : उमरेठ यार्ड के बीच (ओड और डाकोर के बीच ऐसे पढें) कि.मी. 22/2-4 अंतर्गत दो लेन रोड ओवर ब्रिज (ROB) का प्रावधान करने द्वारा लेवल X-ing सं. 23 के निरसन के इंजीनियरींग कार्य के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। **(2) कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,85,70,922.90 **(3) जमा कराने की बयाना राशी:** ₹ 2,42,900.00 **(4) ई-निविदा जमा कराने एवं ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 26/03/2026 को 15:00 बजे एवं दिनांक 26/03/2026 को 15:30 बजे निविदा खोली जाएगी **(5) वेबसाईट का विवरण एवं नोटीस का स्थान जहाँ से विवरण देखे जा सकते हैं आदि:** http://www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल संकेत व दुरसंचार अभियंता, द्वितीय तल, एनेक्ष बिल्डींग, म.रे.प्र. कार्यालय, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004. BRC-384

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

वित्त वर्ष 2025-26 में मध्य रेल, मुंबई मंडल में बिना उचित टिकट के यात्रा करने वाले 16.16 लाख यात्रियों से जुर्माने के रूप में 71.31 करोड़ रुपये वसूले गए एसी लोकल ट्रेनों में 1.10 लाख मामलों से 3.51 करोड़ रुपये वसूले गए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अपने वास्तविक यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के प्रयास में, मध्य रेल के मुंबई मंडल ने अनधिकृत यात्रा के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026) के दौरान, मुंबई मंडल की टिकट जांच टीमों ने उपनगरीय, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों (एसी लोकल ट्रेनों सहित) में अनियमित यात्रा के 16.16 लाख मामलों का पता लगाया और जुर्माना लगाया, जिससे जुर्माने के रूप में 71.31 करोड़ रुपये वसूले गए। अनियमित यात्रा मामलों की संख्या में 2इ की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष के 15.90 लाख मामलों से अधिक है। साथ ही, पिछले वर्ष वसूल की गई राशि 68.56 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें 4इ की वृद्धि हुई है।

अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 की अवधि के लिए मामलों और जुर्माने की राशि का विवरण इस प्रकार है:

एसी लोकल ट्रेनों से - 1.10 लाख मामले और 3.51 करोड़ रुपये का जुर्माना

प्रथम श्रेणी के डिब्बों से - 1.46 लाख मामले और 4.66 करोड़ रुपये का जुर्माना

द्वितीय श्रेणी के डिब्बों से - 11.68 लाख मामले और 58.60 करोड़ रुपये का जुर्माना

मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में अंतर से - 50809 मामले और 2.98 करोड़ रुपये का जुर्माना

बिना बुक किए गए सामान से - 1.40 लाख मामले और 1.56 करोड़ रुपये का जुर्माना

एसी लोकल ट्रेनें

मध्य रेल 94 एसी लोकल ट्रेनें चलाता है, जिनमें से 14 ट्रेनें इस वर्ष हार्बर लाइन पर शुरू की गईं।

एसी लोकल ट्रेनों में विशेष टिकट जाँच अभियान के ज़रिए वित्त वर्ष 2025-26 में 1.10 लाख मामले पकड़े गए और 3.51 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया, जिसमें प्रतिदिन औसतन 401 मामले पकड़े गए और 1.27 लाख रुपये की वसूली हुई। इसकी तुलना में पिछले वर्ष 89,799 मामले पकड़े गए थे और 2.96 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया था, जो मामलों की पहचान में 23इ और जुर्माने की वसूली में 18इ की वृद्धि दर्शाता है।

फरवरी 2026

फरवरी 2026 के दौरान, अनियमित यात्रा के 1.65 लाख मामले पकड़े गए और जुर्माने के रूप में 8.58 करोड़ रुपये वसूले गए।

फरवरी 2026 के लिए मामलों और जुर्माने की राशि का विवरण इस प्रकार है:

एसी लोकल ट्रेनों से संबंधित मामले - 12235 मामले और 38.56 लाख रुपये का जुर्माना

प्रथम श्रेणी के डिब्बों से संबंधित मामले - 12651 मामले और 40.13 लाख रुपये का जुर्माना

द्वितीय श्रेणी के डिब्बों से संबंधित मामले - 1.13 लाख मामले और 6.68 करोड़ रुपये का जुर्माना

मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में अंतर से संबंधित मामले - 16359 मामले और 99.13 लाख रुपये का जुर्माना

बिना बुक किए गए सामान से संबंधित मामले - 10579 मामले और 12.83 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई मंडल मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों तथा उपनगरीय ट्रेनों में नियमित रूप से विशेष टिकट जाँच अभियान चलाता है, जिससे न केवल अनियमित टिकटों के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों का पता लगाकर उन पर जुर्माना लगाया जाता है, बल्कि दूसरों को बिना टिकट यात्रा करने से रोकने में भी इसका बड़ा प्रभाव पड़ता है।

मध्य रेल यात्रियों से अपील करता है कि वे उचित और वैध टिकट खरीदकर गरिमा और जिम्मेदारी के साथ यात्रा करें ताकि असुविधा और जुर्माने से बचा जा सके।

रेलवे बिना टिकट यात्रा के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति को दोहराता है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यात्रियों को आरामदायक और गरिमापूर्ण यात्रा का अनुभव प्राप्त हो।

सुरक्षित यात्रा करें, जिम्मेदारी से यात्रा करें, गरिमा के साथ यात्रा करें।

राज्यसभा चुनावः प्रियंका चतुर्वेदी को क्यों नहीं मिला टिकट? संजय राउत ने बताई पूरी कहानी और नंबरों का खेल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राज्य की सात सीटों पर चुनाव होने हैं और इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) ने प्रियंका चतुर्वेदी को दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया है। पार्टी नेता संजय राउत ने गुरुवार को इसके पीछे की वजह और राजनीतिक समीकरणों की पूरी कहानी बताई।

संजय राउत ने कहा कि पार्टी की इच्छा थी कि प्रियंका चतुर्वेदी को फिर से राज्यसभा भेजा जाए, लेकिन राजनीतिक गणित उनके पक्ष में नहीं था। इसके अलावा वरिष्ठ नेता शरद पवार के चुनाव मैदान में उतरने से भी स्थिति बदल गई, जिसके कारण शिवसेना (यूबीटी) के लिए यह सीट लड़ना मुश्किल हो गया।

पवार नहीं लड़ते तो चतुर्वेदी को मिलता मौका

राउत ने कहा कि यदि राजनीतिक समीकरण अनुकूल होते और शरद पवार चुनाव नहीं लड़ते, तो शिवसेना (यूबीटी) निश्चित रूप से यह सीट लड़ती और प्रियंका चतुर्वेदी को दूसरा मौका दिया जाता। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र से

राज्यसभा की सात सीटें अगले महीने खाली हो रही हैं।

एमवीए ने शरद पवार को दिया समर्थन

बुधवार को कांग्रेस ने घोषणा की कि वह महाराष्ट्र से राज्यसभा की एक सीट के लिए विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवार के रूप में एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार का समर्थन करेगी। इस फैसले के बाद उम्मीदवार को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया। इस सीट पर कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) तीनों ही दल दावा कर रहे थे।

भाजपा उम्मीदवारों पर भी बोले राउत

सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए चार उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जिनमें पार्टी के महासचिव विनोद तावडे और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले शामिल हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने कहा कि आठवले को दोबारा उम्मीदवार बनाना अपेक्षित था, जबकि तावडे की उम्मीदवारी खास ध्यान देने वाली है।

उन्होंने कहा कि तावडे को उम्मीदवार बनाना उनके संगठनात्मक कामों का सम्मान हो सकता है। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने के बाद उन्होंने पिछले कई वर्षों में पार्टी के लिए काफी काम किया है।

ऐसा है विधानसभा का गणित

288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में 230 से अधिक विधायकों के साथ भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन अपने सभी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की स्थिति में है। इस गठबंधन में एनसीपी और शिवसेना भी शामिल हैं। वहीं विपक्षी एमवीए के पास केवल एक उम्मीदवार को जिताने लायक संख्या है। इस हिसाब से महायुति सात में से छह सीटें जीत सकती है।

महाराष्ट्र से जिन राज्यसभा सदस्यों का छह साल का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है, उनमें शरद पवार, रामदास आठवले, फौजिया खान, रजनी पाटिल, प्रियंका चतुर्वेदी, धनंजय पाटिल और भागवत कराड शामिल हैं। इन सीटों के लिए 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी।

श्री क्षेत्र ज्योतिबा मंदिर परिसर का विकास पर्यावरणीय दृष्टि से किया जाए- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

170 करोड़ रुपये के संशोधित विकास कार्यों को मंजूरी

मुंबई। कोल्हापुर जिले के श्री क्षेत्र ज्योतिबा मंदिर में राज्य ही नहीं बल्कि देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए मंदिर परिसर का विकास पर्यावरण को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए, ऐसा निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिया है।

श्री क्षेत्र ज्योतिबा मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र के लिए कुल 250 करोड़ रुपये की विकास योजना तैयार की गई है। इसमें से 80 करोड़ रुपये के कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं। शेष 170 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में विधान भवन में आयोजित उच्च स्तरीय समिति की बैठक में दी गई।

इस बैठक में उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, वन मंत्री गणेश नाईक, पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई, शहरी विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल, विधायक विनय कोरे, विधायक राहुल आवाडे, मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) ओ. पी. गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खारगे, प्रधान सचिव (ग्रामीण विकास) एकनाथ डावले सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ज्योतिबा मंदिर पर्वत क्षेत्र का विकास करते समय बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया जाए और पहले लगाए गए वृक्षों की जीवित रहने की दर बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाए। पर्वतीय क्षेत्र में ठोस कचरा प्रबंधन प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु अन्नदान करते हैं, इसलिए इसके लिए एक भोजन मंडप (फूड कैनोपी) विकसित किया जाए, जिसमें अधिकतम श्रद्धालुओं को स्थान मिल सके।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पर्वतीय क्षेत्र के पर्यावरणीय महत्व को ध्यान में रखते हुए यहां की बस्तियों में सीवेज प्रबंधन की व्यवस्था की जाए और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए स्वच्छता की उचित योजना बनाई जाए।

बैठक में कोल्हापुर के जिलाधिकारी अमोल येडगे ने पर्वतीय क्षेत्र की वन भूमि को नियमों के अनुसार हस्तांतरित कर मंदिर परिसर के विकास से संबंधित प्रस्तुति भी दी।

संक्षिप्त विकास योजना

कोल्हापुर जिले के पन्हाला तालुका स्थित श्री क्षेत्र ज्योतिबा मंदिर परिसर के विकास के तहत निम्न कार्य किए जाएंगे–

ज्योतिबा पर्वत पर पुराने पैदल मार्गों का चौड़ीकरण और मरम्मत

पैदल मार्गों के किनारे परियोजनाओं से प्रभावित पेड़ों का पुनः रोपण

सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष, विद्युत नियंत्रण कक्ष, पुलिस कक्ष और मंदिर प्रबंधन कार्यालय

यमाई देवी मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए सुविधा केंद्र

मंदिर के दक्षिणी प्रवेश द्वार की मरम्मत

शाहू कालीन हुजूरवाड़ा भवन का संरक्षण

कुसिरे से गायमुख झील तक पार्किंग सहित पैदल मार्ग का विकास

पांच मेगावाट क्षमता के विद्युत उपकेंद्र और सौर ऊर्जा परियोजना

श्रद्धालुओं के लिए आवास व्यवस्था, प्राथमिक स्वास्थ्य कक्ष और भोजन मंडप

इन विकास कार्यों के माध्यम से मंदिर परिसर को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

टीएचआर आहार की गुणवत्ता सुधारने के प्रयास- मंत्री अदिति तटकरे

कुपोषण कम करने पर सरकार का विशेष ध्यान

मुंबई।आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जाने वाले टीएचआर (टेक होम राशन) पोषण आहार की गुणवत्ता और स्वाद बेहतर बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग प्रयास कर रहा है। साथ ही राज्य में कुपोषण की दर को और कम करने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। यह जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने विधान परिषद में दी।

विधान परिषद में सदस्य चित्रा वाघ द्वारा टीएचआर, पोषण आहार और आंगनवाड़ी सेविकाओं से जुड़े मुद्दों पर उठाए गए प्रश्नों का जवाब देते हुए मंत्री तटकरे ने कहा कि केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार अब टीएचआर सूक्ष्म पोषक तत्वों से समृद्ध प्रीमिक्स के रूप में दिया जा रहा है। इसमें निश्चित मात्रा में प्रोटीन और विभिन्न विटामिन बनाए रखने के मानक तय किए गए हैं। इसी के अनुसार 2023-24 से राज्य में यह पद्धति लागू की गई है।

हालांकि कुछ स्थानों से इस प्रीमिक्स के स्वाद को लेकर शिकायतें मिलने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग ने इसकी समीक्षा की है। मंत्री तटकरे ने बताया कि पिछले डेढ़ से दो महीनों से इस आहार के नुस्खे में आवश्यक बदलाव करने का काम चल रहा है, ताकि बच्चों को यह भोजन आसानी से स्वीकार्य हो सके। पोषण मूल्य कम किए बिना इसे अधिक स्वादिष्ट बनाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही पहले की तरह सूखा राशन देने की अनुमति देने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध भी किया गया है।

आंगनवाड़ी सेविकाओं से जुड़े मुद्दों पर मंत्री तटकरे ने बताया कि पिछले कई वर्षों से लंबित स्मार्टफोन की समस्या का समाधान कर दिया गया है। उन्हें 4जी सुविधा उपलब्ध कराई गई है और भविष्य में इसे और बेहतर बनाने के लिए विभाग सकारात्मक है। इसके अलावा वेतन वृद्धि, मोबाइल रिचार्ज, प्रोत्साहन भत्ता और भाऊबीज जैसी सुविधाओं को भी नियमित किया गया है।

उन्होंने बताया कि टीएचआर वितरण के लिए उपयोग किए जा रहे एफआरएस प्रणाली में जनवरी 2026 तक 85 प्रतिशत से अधिक पंजीकरण पूरे हो चुके हैं, जिससे लाभार्थियों को समय पर पोषण आहार उपलब्ध कराना संभव हो रहा है।

मंत्री तटकरे ने यह भी बताया कि राज्य में कुपोषण कम करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है और 11 जिलों में प्रायोगिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। पिछले तीन वर्षों में कुपोषण की दर में कमी आई है और इसे 0.10 प्रतिशत से कम करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुंबई जैसे महानगरों में आंगनवाड़ी और बालवाड़ी के बीच अंतर को समझने के लिए 'गैप मैपिंग' सर्वेक्षण किया जा रहा है। साथ ही नगर निगम, एकीकृत बाल विकास सेवा और शहरी विकास विभाग के समन्वय से शहरी क्षेत्रों में भी बच्चों में कुपोषण और मोटापा कम करने के प्रयास किए जाएंगे।

इसके अलावा प्रवासी परिवारों के बच्चों को भी पोषण आहार मिल सके, इसके लिए 'माइग्रेशन ट्रैकिंग सिस्टम' विकसित किया गया है। जहां आंगनवाड़ी भवन उपलब्ध नहीं है, वहां सरकारी स्कूलों के कक्ष उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

ड्राइवरों की ब्रीथएनालाइज़र जांच अनिवार्य- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) ने ड्यूटी के दौरान शराब सेवन पर रोक लगाने और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। इसके तहत डिपो में ड्यूटी पर आने वाले सभी चालकों की रोज़ाना अल्कोटेस्ट मशीन से शराब जांच करना अनिवार्य कर दिया गया है। उचित रिकॉर्ड दर्ज करने के बाद ही चालक को ड्यूटी पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी परिवहन मंत्री तथा एसटी निगम के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने दी।

25 जनवरी 2026 को मंत्री सरनाईक ने मुंबई के परेल बस स्टैंड का अचानक दौरा किया था, जहां कुछ गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने तुरंत एक जांच समिति गठित की और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए कड़े उपाय करने को कहा।

इसके अनुसार एसटी प्रशासन ने तीन अधिकारियों की एक समिति बनाकर मामले की विस्तृत जांच कराई। जांच में दोषी पाए गए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय भी सुझाए गए। यह जांच रिपोर्ट एसटी निगम के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक को सौंप दी गई है और उनके निर्देशानुसार दोषी अधिकारियों

के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही समिति द्वारा सुझाए गए उपायों को सभी डिपो में तुरंत लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

नए प्रावधानों के अनुसार डिपो में काम पर आने वाले चालकों की नियमित जांच वाहन निरीक्षकों द्वारा की जाएगी। ड्यूटी देने से पहले चालकों की अल्कोटेस्ट मशीन से जांच करना और उसका रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा। सहायक कार्यशाला अधीक्षक, सहायक यातायात अधीक्षक, यातायात निरीक्षक, सहायक यातायात निरीक्षक और यातायात नियंत्रक को यह निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं कि चालकों की शराब जांच नियमित रूप से हो रही है या नहीं। डिपो प्रबंधकों को भी इन आदेशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

बस मार्ग पर रहने के दौरान चालक को नियंत्रण कक्ष में लॉगबुक दर्ज करना अनिवार्य होगा। पंजीकरण के बाद चालक की फिर से ब्रीथएनालाइज़र जांच की जाएगी और उचित रिकॉर्ड दर्ज होने के बाद ही बस को अगले मार्ग पर भेजा जाएगा। स्टेशन मास्टरों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि यह जांच नियमित रूप से हो।

इसके अलावा बस स्टैंड और डिपो क्षेत्र के विश्राम कक्षों में काम करने वाले चालकों, परिचालकों और कर्मचारियों की भी समय-समय पर अल्कोटेस्ट मशीन से जांच कर उसका रिकॉर्ड रखना अनिवार्य किया गया है। संबंधित विभागों के अभिभावक अधिकारियों को अपने दौरे के दौरान इन उपायों के क्रियान्वयन की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस संबंध में सतर्कता विभाग समय-समय पर गुप्त निरीक्षण अभियान चलाएगा। यह निरीक्षण कार्यक्रम सड़क निरीक्षण दल, यातायात निरीक्षक, प्रशिक्षण विभाग और सुरक्षा विभाग के माध्यम से लागू किया जाएगा।

एसटी कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से शराब के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही डिपो में 'मद्यपान जनजागरूकता सप्ताह' आयोजित कर चालकों और अन्य कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया जाएगा।

इसके साथ ही मुख्य बस स्टैंड, चालक-परिचालक विश्राम गृह और डिपो में शराब सेवन रोकने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। अतिथि गृह क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, रोशनी और पंखों जैसी सुविधाओं की जिम्मेदारी भी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विश्वास व्यक्त किया कि एसटी प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शराब सेवन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और इन उपायों से बस सेवा अधिक सुरक्षित और अनुशासित बनेगी।

जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध- ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे

राज्य में पिछले वर्ष लगभग 4 लाख घरों का निर्माण पूरा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। देश के प्रत्येक परिवार को घर उपलब्ध कराना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक व्यापक कार्यक्रम लागू किया है कि देश का कोई भी परिवार घर से वंचित न रहे। महाराष्ट्र में भी इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है और पिछले वर्ष राज्य में लगभग चार लाख घरों का निर्माण पूरा किया गया। यह जानकारी ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे ने विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान दी।

इस संबंध में सदस्य अमोल मिटकरी ने प्रश्न उठाया था।

मंत्री जयकुमार गोरे ने बताया कि पिछले वर्ष राज्य में 28 लाख 24 हजार 386 घरों को मंजूरी दी गई, जो देश के इतिहास में सबसे अधिक मंजूरी है। पिछले एक वर्ष में राज्य में 3 लाख 95 हजार 222 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जो एक रिकॉर्ड है। वर्तमान में 23 लाख 92 हजार 242 घरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा निधि वितरण के लिए 'सिंगल नोडल एजेंसी' और 'रियल टाइम इंटीग्रेटेड फंड ट्रांसफर' प्रणाली लागू किए जाने के कारण कुछ समय तक किस्तों के वितरण में देरी हुई थी। हालांकि अब यह प्रणाली पूरी तरह शुरू हो जाने से निधि वितरण सुचारू रूप से हो रहा है।

राज्य सरकार ने घर निर्माण के लिए मिलने वाली सब्सिडी में अतिरिक्त सहायता देने का निर्णय भी लिया है। केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाली सहायता के साथ-साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्णयानुसार घर निर्माण के लिए अतिरिक्त 50 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसमें से 35 हजार रुपये निर्माण कार्य के लिए और 15 हजार रुपये घर पर सौर ऊर्जा परियोजना लगाने के लिए दिए जाते हैं।

इसके अलावा मनरेगा के तहत 90 दिनों की मजदूरी, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय के लिए 12 हजार रुपये सहित एक घर के लिए कुल मिलाकर लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

सरकार ने घर निर्माण के लिए आवश्यक रेत मुफ्त उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया है। पात्र लाभार्थियों को 5 ब्रास तक रेत बिना रॉयल्टी के दी जाती है। इसके साथ ही भूमिहीन लाभार्थियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय गृह खरीद योजना के तहत जमीन खरीदने के लिए मिलने वाली सब्सिडी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है।

अकोला जिले के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री गोरे ने बताया कि जिले को 40 हजार 478 घरों का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें से 39 हजार 992 घरों को मंजूरी दी जा चुकी है।

पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के अग्निशमन विभाग में अनियमितताओं की होगी जांच- मंत्री डॉ. उदय सामंत

मुंबई। पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के अग्निशमन विभाग में रिक्त पदों, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने में कथित अनियमितताओं और अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की विस्तृत जांच कराई जाएगी। यदि जांच में कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत ने विधान परिषद में दी।

विधान परिषद में सदस्यों अमित गोरखे, श्रीकांत भारतीय और उमा खापरे द्वारा उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए मंत्री डॉ. सामंत ने बताया कि पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में मुख्य अग्निशमन अधिकारी का पद 31 अक्तूबर 2022 से रिक्त है। उस समय के अधिकारी के सेवानिवृत्त होने के बाद योग्य अधिकारी उपलब्ध न होने के कारण यह पद खाली रहा और इसका अतिरिक्त प्रभार दूसरे अधिकारी को दिया गया।

उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग के पदों को भरने के लिए 17 अगस्त 2022 को विज्ञापन जारी किया गया था। इसके तहत उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी और प्रभागीय अग्निशमन अधिकारी के दो पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। हालांकि विज्ञापन में इन पदों के लिए कम से कम पांच वर्ष का अनुभव अनिवार्य रखा गया था, इसलिए अनुभव की शर्त पूरी न करने वाले कुछ उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

इस बीच विधान परिषद के सदस्यों ने उप अग्निशमन अधिकारी ऋषिकेश चिपाडे द्वारा जारी किए गए एनओसी और परमिट को लेकर संभावित अनियमितताओं की आशंका जताई है। इस संबंध में पूरे मामले की जांच पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के आयुक्त या वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कराई जाएगी, ऐसा मंत्री डॉ. सामंत ने बताया।

मंत्री डॉ. सामंत ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच के बाद यदि कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करने में कोई हिचकिचाहट नहीं करेगी।

मुंबई में वायु प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई- राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

मुंबई।मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार गंभीर है और निर्माण परियोजनाओं के लिए तय नियमों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। निर्माण स्थलों पर वायु प्रदूषण मापने वाले उपकरण लगाना, धूल नियंत्रण के उपाय करना और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। यह जानकारी राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न के उत्तर में दी।

विधानसभा में सदस्य मनीषा चौधरी ने तारांकित प्रश्न के दौरान मुंबई में वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए निर्माण परियोजनाओं पर क्या कार्रवाई की जा रही है, इस संबंध में सवाल उठाया था। इसका उत्तर देते हुए राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार सभी चालू निर्माण परियोजनाओं में वायु प्रदूषण मापने वाले उपकरण और एलईडी फ्लैशर लगाना अनिवार्य किया गया है। मुंबई महानगरपालिका के 16 फरवरी 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार कुल 21,224 निर्माण परियोजनाओं में से 19,521 स्थानों पर ये उपकरण लगाए जा चुके हैं।

मंत्री मिसाल ने बताया कि मुंबई के निर्माण स्थलों पर लगाए गए प्रदूषण मापने वाले उपकरणों के पीएम 2.5 और पीएम 10 से संबंधित आंकड़ों को नागरिकों के लिए उपलब्ध कराने हेतु डैशबोर्ड तैयार किया गया है। तकनीकी प्रक्रिया पूरी होते ही यह जानकारी आम नागरिकों के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले 1,400 निर्माण परियोजनाओं को अब तक काम बंद करने के नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा शहर में बिना अनुमति मलबा (डेब्रिस) फेंकने वालों के खिलाफ भी दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।

मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया कि मुंबई में 'मुंबई वायु प्रदूषण शमन योजना 2023' के तहत 25 बिंदुओं वाला नियम लागू किया गया है, जिसके माध्यम से शहर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं।

वरोती-भोरडी परियोजनाओं में अनियमितताओं की जांच के बाद कार्रवाई- मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड़

मुंबई।पुणे जिले के वरोती और भोरडी पर्कोलेशन तालाब परियोजनाओं के कार्यों के दौरान यदि अवैध खुदाई या किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी प्राप्त होती है, तो उसकी जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड़ ने विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान दी। इस संबंध में सदस्य अनिल परब ने प्रश्न उठाया था। मंत्री संजय राठौड़ ने बताया कि वरोती और भोरडी दोनों स्थानों के कार्यों को जल संरक्षण निगम द्वारा मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं में आवश्यकता के अनुसार बुनियादी ढांचे और जल निकासी से संबंधित कार्य किए गए हैं। खुदाई के दौरान निकली मिट्टी, पत्थर और अन्य उपयोगी खनिज सामग्री का उपयोग निर्माण कार्यों के लिए ही करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि ये दोनों गांव केंद्र सरकार द्वारा घोषित पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र (इको-सेंसिटिव ज़ोन) में आते हैं। हालांकि केंद्र सरकार की अधिसूचना के अनुसार कुछ परियोजनाओं को निर्धारित शर्तों के साथ अनुमति दी जाती है। मंत्री राठौड़ ने स्पष्ट किया कि इन दोनों परियोजनाओं का कार्य केंद्र सरकार की अधिसूचना और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इन परियोजनाओं में से एक के लिए आवश्यक वन भूमि के उपयोग की अनुमति भी केंद्र सरकार ने प्रदान की है। इसलिए वर्तमान में सभी कार्य नियमों के अनुसार ही चल रहे हैं।

'सिकल सेल मुक्त महाराष्ट्र' अभियान को मिला गति, 59.62 लाख लोगों की जांच पूरी- स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर

मुंबई।राज्य में आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल के खिलाफ चल रहे अभियान को तेज़ी दी गई है और अब तक 59 लाख से अधिक नागरिकों की जांच की जा चुकी है। शेष जांच 15 मार्च तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर ने विधान परिषद में दी।

विधान परिषद में सदस्य उमा खापरे द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मंत्री आबिटकर ने बताया कि महाराष्ट्र को सिकल सेल मुक्त बनाने के लिए सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। नागपुर अधिवेशन के दौरान आदिवासी बहुल जिलों के विधायकों के साथ बैठक के बाद एक अलग कार्यबल (टास्क फोर्स) गठित किया गया और उसके तहत 'अरुणोदय' अभियान शुरू किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री आबिटकर ने बताया कि 15 जनवरी 2026 से शुरू हुए इस अभियान में 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 73.84 लाख लोगों की जांच का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 59.62 लाख लोगों की जांच की जा चुकी है, जिनमें 1,714 सिकल सेल रोगी और 28,398 सिकल सेल वाहक पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान से पहले और बाद मिलाकर राज्य में अब तक 22,688 सिकल सेल रोगी और 2,08,952 वाहक चिन्हित किए जा चुके हैं।

सरकार ने सिकल सेल रोगियों को लाल कार्ड, वाहकों को पीला कार्ड और सामान्य व्यक्तियों को सफेद कार्ड देने की योजना लागू की है। मंत्री आबिटकर ने कहा कि लोगों में जागरूकता भी पैदा की जा रही है ताकि लाल कार्ड वाले व्यक्ति का विवाह लाल या पीले कार्ड वाले व्यक्ति से न हो।

राज्य के 21 आदिवासी बहुल जिलों में लगभग 70 लाख नागरिकों की जांच का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए रक्त बैंक, रक्त भंडारण इकाइयां, दवाइयां और मार्गदर्शन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सम्पादकीय

युद्ध के बिगड़ते स्वरूप के बीच भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है।

इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए।

अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभाविक ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।

दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।

सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।

सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए।

गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं।

इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं और बहुत सारे वैसे भारतीय उन जगहों के हवाईअड्डों पर फंसे हुए हैं, जो किसी तरह वतन लौटना चाहते हैं। हालांकि इससे पहले कई बार अलग-अलग देशों में भड़के युद्ध के दौरान भारत ने अपने हजारों नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की है।

मगर इस बार सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि युद्ध में शामिल देशों के बीच हमले अपनी पूरी तीव्रता के साथ जारी हैं और आम लोगों के लिए हवाई क्षेत्र बंद है। जब तक हमलों में कमी नहीं आएगी और यात्री उड़ानों की गुंजाइश नहीं बनेगी, तब तक बचाव अभियान शुरू करना शायद मुश्किल हो। ऐसे में कूटनीतिक पहल और संवाद के सहारे युद्ध प्रभावित इलाकों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी का रास्ता निकालने की जरूरत है।

सवाल यह है कि क्या खामेनेई की हत्या के बाद मिडिल ईस्ट पहले जैसा ही रहेगा? इसका साफ उत्तर है- नहीं। आने वाले दिनों में मिडिल ईस्ट में क्या हो सकता है?

ईरान-अमेरिका-इज़राइल युद्ध देखते देखते भारत के दरवाजे तक पहुँच गया, दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है।

हम आपको बता दें कि यह

घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है।

देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है।

इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।

ममता के गढ़ भवानीपुर में भी नंदीग्राम वाला इतिहास दोहराएगा? ऐसा हुआ तो बंगाल चुनाव का पूरा गेम ही बदल जाएगा

मशहूर क्रिकेटर और वर्ल्ड कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव ने कहा था कि वेन यू टेस्ट सक्सेस, योर टंग वांट मोर यानी एक बार सफलता का स्वाद चख लो, तो जीभ (मन) और अधिक मांगती है। कोई खिलाड़ी जो अप्रत्याशित रूप से एक अधिक मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हरा देता है तो उसे जायंट किलर कहा जाता है। राजनीति में भी ऐसे ही नाम हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में सुब्रत पाठक कन्नौज में डिंपल यादव को हराया। स्मृति ईरानी जिन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को अमेठी में हराया। केपी यादव ने गुणा में ज्योतिरादित्य सिंधिया को मात दी थी। दिल्ली के पूर्व सीएम आम आदमी पार्टी के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल को बीजेपी नेता प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने हार का स्वाद चखाया। लेकिन एक ऐसे ही जायंट किलर जिन्होंने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ने नंदीग्राम से चुनाव लड़कर शिकस्त दी। वो नाम टीएमसी से उसी साल बीजेपी में आए शुभेंदु अधिकारी का है। लेकिन पांच साल बाद, संकेत मिल रहे हैं कि शुभेंदु 2026 के चुनाव में ममता के कोलकाता स्थित गढ़ भाबनीपुर से उन्हें चुनौती दे सकते हैं। कभी घनिष्ठ सहयोगी रहे इन दोनों ने नंदीग्राम आंदोलन में साथ काम किया था। ममता के साथ मिलकर सीपीआई (एम) को सत्ता से बेदखल किया था और 2011 में तृणमूल कांग्रेस के उदय का मार्ग प्रशस्त किया। 2021 के चुनावों से ठीक पहले अधिकारी के भाजपा में शामिल होने के साथ ही दोनों के रिश्ते में दरार आ गई। नीतजतन नंदीग्राम में एक रोमांचक मुकाबले का मंच तैयार हो गया। फिर क्या था वो सीट जो तृणमूल की सफलता का प्रतीक थी, वहां उसकी सबसे बड़ी नेता की हार की कहानी लिखी गई।

ममता बनर्जी का नंदीग्राम सीट पर पुनः अधिकार प्राप्त करने का प्रयास लगभग 2,000 वोटों से असफल रहा, हालांकि उनकी तृणमूल कांग्रेस ने राज्य चुनाव जीत लिया। बाद में वे भाबानीपुर लौट आईं और उपचुनाव में निर्णायक अंतर से जीत हासिल करते हुए तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। अब सवाल यह उठता है कि क्या नंदीग्राम 2021 का नाटक 2026 में भवानीपुर में दोहराया जाएगा? हालिया राजनीतिक संकेतों और बयानों से अटकलें तेज हो रही हैं, और सुवेंदु अधिकारी द्वारा ममता बनर्जी को उन्हीं के गढ़ में चुनौती देने की संभावना पर चर्चा बढ़ती जा रही है।

भवानीपुर में भाजपा के लिए आत्मविश्वास का एक प्रमुख स्रोत पश्चिम बंगाल में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के परिणाम रहे हैं। एसआईआर प्रक्रिया के परिणामस्वरूप 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, जबकि 6 लाख नाम अभी भी विचाराधीन हैं। हालांकि इन सभी नाम हटाए जाने से राज्य की सभी सीटें प्रभावित हुईं, लेकिन कुछ सीटें दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित हुईं। इनमें से एक सीट भाबनीपुर है। एसआईआर की अंतिम मतदाता सूची से पता चलता है कि इस सीट से कम से कम 47,000 नाम हटा दिए गए हैं, जबकि 14,154 नामों पर अभी भी विचार चल रहा है। इनमें से एक सीट भाबनीपुर है। एसआईआर की अंतिम मतदाता सूची से पता चलता है कि इस सीट से कम से कम 47,000 नाम हटा दिए गए हैं, जबकि 14,154 नामों पर अभी भी विचार चल रहा है। नतीजतन, ममता बनर्जी के गढ़ भवानीपुर में, जहां 267 बूथ हैं, अंतिम सूची में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 2,06,295 से घटकर 1,59,201 हो गई। वहीं, सुवेंदु की सीट नंदीग्राम में 2,78,212 मतदाताओं में से 10,599 नाम हटाए गए। तब से, कई भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि बनर्जी 2026 में अपना पुराना गढ़ खो देंगी।

2011 से, भवानीपुर मुख्यमंत्री कार्यालय पर ममता बनर्जी की पकड़ का मजबूत गढ़ रहा है। हालांकि, 2014 के लोकसभा चुनावों से इस प्रभुत्व में दरारें दिखनी शुरू हो गईं, जब भाजपा ने इस निर्वाचन क्षेत्र के कई वार्डों में महत्वपूर्ण पैठ बनाई। भवानीपुर में वार्ड 63, 70, 71, 72, 73, 74, 77 और 82 शामिल हैं। 2014 के संसदीय चुनावों में, भाजपा उम्मीदवार तथागत रॉय ने इन वार्डों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार सुब्रता बख्शी को मात्र 176 वोटों के मामूली अंतर से हराया था। हालांकि रॉय बख्शी से हार गए, लेकिन भाजपा ने तब से इस प्रदर्शन को इस बात के सबूत के तौर पर पेश किया है कि भवानीपुर अब टीएमसी का अभेद्य गढ़ नहीं रहा। वार्ड स्तर पर इस रुझान से उत्साहित होकर, भाजपा अब भाबानीपुर को 2026 के विधानसभा चुनाव में एक संभावित निर्णायक सीट के रूप में पेश कर रही है। हालांकि, अहम सवाल यह है कि क्या सुवेंदु अधिकारी इस निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उभर सकते हैं। हाल के घटनाक्रमों और राजनीतिक संकेतों की एक श्रृंखला से संकेत मिलता है कि इस संभावना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, जिसके लिए गहन जांच की आवश्यकता है। भवानीपुर में भाजपा की मजबूत पैठ बनाने की उम्मीद का एक उदाहरण यह है कि सुवेंदु अधिकारी ने अपना वॉर रूम स्थापित करने के लिए इसी निर्वाचन क्षेत्र को चुना है। वार्ड 70 में चक्रबेरिया रोड (दक्षिण) स्थित 8/1 के एक मकान के भूतल पर यह विशेष वॉर रूम बनाया गया है। वार्ड 70 ही क्यों? इसका कारण एक बार फिर यही है कि 2014 में इसी वार्ड ने भाजपा को सबसे बड़ी बढ़त दिलाई थी।

2026 के चुनावों के लिए भाबनीपुर में भाजपा द्वारा अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप देने से पहले ही, पार्टी ने जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है, जिसके तहत पूरे निर्वाचन क्षेत्र की दीवारों पर कमल के चिन्ह दिखाई दे रहे हैं। अटकलों को हवा देते हुए, भाजपा के पश्चिम बंगाल के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सुवेंदु अधिकारी के लिए उम्मीदवारी की संभावना को खुला रखा है। इस मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए सुकांत ने कहा कि अगर ममता बनर्जी भाबनीपुर से चुनाव लड़ती हैं, तो पार्टी तय करेगी कि उनके सामने कौन होगा। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी को लगता है कि सुवेंदु सही उम्मीदवार हैं, तो वह चुनाव लड़ेंगे। इस तरह उन्होंने शुभेंदु अधिकारी के भवानीपुर से संभावित चुनाव लड़ने की अटकलों को और बल दिया।

शुभेंदु ने खुद इस बात को और पुख्ता कर दिया है। जनसभाओं से लेकर मीडिया से बातचीत तक, विपक्ष के नेता ने बार-बार दावा किया है, 'मैंने उन्हें नंदीग्राम में हराया था; इस बार मैं उन्हें भाबनीपुर में भी हराऊंगा। मैं उन्हें 20,000 वोटों के अंतर से पूर्व मुख्यमंत्री बना दूंगा। इससे एक अहम सवाल खड़ा होता है: क्या ममता बनर्जी 2026 में भाबनीपुर से चुनाव लड़ेंगी, या क्या वह पिछली विधानसभा चुनाव की तरह फिर से सीट बदलेंगी? फिलहाल, भाजपा तृणमूल कांग्रेस पर कड़ी नजर रख रही है। अगर 2021 के चुनाव में नंदीग्राम ममता-सुवेंदु के बीच कांटे की टक्कर का केंद्र था, तो क्या 2026 में भाबनीपुर सबसे चर्चित सीट बन जाएगी? इस बारे में चर्चा तेज होती जा रही है।

रंगोत्सव होली के सियासी और सांस्कृतिक मायने

रंगपर्व होली भले ही भारतीय सभ्यता-संस्कृति से अनुप्राणित है, लेकिन गुलामी काल में यह पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के सामाजिक दुष्प्रभाव से भी यह अछूती नहीं बची है। आमतौर पर यह रंगोत्सव देश-दुनिया में हंसी ठिठोली का त्योहार समझा जाता है। इस दौरान आमलोगों में रंग-गुलाल खेलने के साथ-साथ मीठे पकवानों, नमकीन मांसाहारों और नशीले पदार्थों के सेवन जैसे (भांग), द्रव्य (शराब) और गैस (गांजा) का प्रयोग बहुतायत में देखने को मिलता है जिससे लोग झूम उठते हैं।

आमतौर पर शुद्र यानी सेवक पर्व होली आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, जब घोर दुश्मन भी एक दूसरे के गले मिलने से नहीं हिचकते हैं। बदलते जमाने के अनुरूप लोकपर्व होली का रंगोत्सव भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व ब्रांडिंग का भी पर्याय बन चुका है। यह वसंत पर्व अब सामाजिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और चुनावी रणनीति का प्रतीक बन गया है। लोकतांत्रिक भारत में यह प्रवृत्ति वर्ष दर वर्ष गहराती जा रही है। खासकर 2026 में ही बिहार, यूपी और अन्य राज्यों में नेताओं के बड़बोले बयानों ने इसे और उभार दिया। इससे सांप्रदायिक विवाद को भी बढ़ावा मिला।

जहां बीजेपी विधायकों और अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय से होली पर घर में रहने या नमाज स्थगित करने की अपील की, जिससे विपक्ष ने ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुड़दंगियों पर सख्ती का संदेश दिया, जबकि बिहार में शराबबंदी पर बहस ने इसे राजनीतिक रंग से जोड़ा। कहना न होगा कि अब ये बयान हिंदुत्व के सियासी एजेंडे को मजबूत करने की भरपूर कोशिश दिखाते हैं। इससे चुनावी रणनीति भी प्रभावित होती है। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौर में होली पर नेताओं ने रंग खेलकर वोटरों से जुड़ने की कोशिश की। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के होली बहिष्कार के ऐलान पर बीजेपी ने हिंदू विरोधी करार दिया।

देखा जाए तो ऐसे विवाद आने वाले चुनावों में सामाजिक ध्रुवीकरण का हथियार बन सकते हैं। लिहाजा इन्हें काबू में करने के लिए पुख्ता प्रशासनिक इंतजाम किये गए हैं। खासकर राज्यों में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव, स्टंटबाजी और अराजकता रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। सिर्फ दिल्ली में ही 15, 000 जवान, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर पूरे देश में ऐसी ही निगरानी की जा रही है। ऐसे में यह सब इस महत्वपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्ण बनाए रखने की चुनौती को भी दर्शाता है। भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यदि नजर डालें तो तो मौर्य काल से मुगल काल तक होली भव्यता से मनाई जाती थी, जहां अशोक और अकबर जैसे शासक खुद भी इसमें भाग लेते थे। तब भी यह सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का अवसर था, और आज भी यह जाति-वर्ग भेद मिटाकर सामाजिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश देता था।

आज आधुनिक समय में भी होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनकर राजनीतिक संदेशों से जुड़ गया है। आधुनिक राजनीतिकरण की प्रवृत्ति में बीजेपी जैसे दल इसे हिंदू एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित करते हैं, जबकि विपक्ष बहिष्कार जैसे बयानों को ध्रुवीकरण बताता है। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़, बिहार में नेताओं के बयानों ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। चुनावी वर्षों में रंग खेलना वोटर जुड़ाव की रणनीति है। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो होली अब हुड़दंग या सांस्कृतिक एजेंडे से जोड़कर देखी जाती है, जो सामूहिकता को राजनीतिक लाभ में बदल देती है। यह प्रेम-एकता का संदेश देने के बजाय धार्मिक भावनाओं को उकसाने का माध्यम बन चुका है।

खासकर नेताओं द्वारा होली पर रंग लगाने की परंपरा अब आधुनिक राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बन चुका है, जो भगवान श्रीकृष्ण द्वारा शुरू की गई पौराणिक रंग खेलने की प्रथा से अभिप्रेरित है। वर्तमान दौर में यह जनता से सीधा जुड़ाव बनाने और निज छवि सुधारने की रणनीति के तौर पर देखा जाने लगा है। पौराणिक आधार पर यदि गौर फरमाएं तो रंग लगाने की परंपरा द्वापर युग से कृष्ण-राधा लीला से जुड़ी है, जहां कृष्ण ने अपनी मां यशोदा के सुझाव पर राधा को रंग लगाकर समानता का संदेश दिया। इसलिए ब्रज क्षेत्र में यह प्रथा लोकप्रिय हुई, जो बाद में पूरे भारत में फैली है।

प्राचीन काल में प्राकृतिक रंग जैसे टेसू के फूलों से शुरू हुई यह परंपरा सामाजिक एकता का प्रतीक बनी। बाद में राजनीतिक लोगों ने भी इसे अपनाना शुरू कर दिया।आजादी के बाद नेताओं ने इसे चुनावी लाभ के लिए अपनाया; पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी से लेकर वर्तमान नेता जैसे नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ तक रंग खेलकर जनसंपर्क बढ़ाने की परंपरा अनवरत रूप से जारी है। तमाम वृत्तांत पढ़े देखे सुने जा सकते हैं। 2026 में बिहार, यूपी में राज्यसभा चुनावों के दौरान चिराग पासवान जैसे नेताओं ने इसे वोटर जुड़ाव के हथियार बनाया। यह हिंदुत्व एजेंडे को मजबूत करने और ध्रुवीकरण का माध्यम भी बन गया।

जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो यह परंपरा दुश्मनी भुलाने का संदेश देती है, लेकिन सियासत में ध्रुवीकरण बढ़ाती है। नेताओं के रंग लगाने से पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता है, पर सांप्रदायिक विवाद भी जन्म लेते हैं। होली भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता, प्रेम और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह वसंत ऋतु के आगमन के साथ नई शुरुआत और सामूहिक आनंद का उत्सव है। इससे सामाजिक एकता मजबूत होती है।

सच कहूं तो रंगों की होली जाति, वर्ग और लिंग की बाधाओं को तोड़ती है, जहां सभी एक-दूसरे को गले लगाते हैं और पुरानी कटुता भुला देते हैं। खासकर ब्रज की लठमार होली जैसी परंपराएं महिलाओं की सशक्तता और कृष्ण-राधा के प्रेम को दर्शाती हैं। यह भाईचारा और सौहार्द्र का संदेश देती है। जहां तक आध्यात्मिक महत्व की बात है तो होलिका दहन अधर्म पर धर्म की विजय दिखाता है, जो प्रह्लाद की भक्ति से प्रेरित है। यह हिरण्यकश्यप की पुत्र प्रताड़ना से मुक्ति का पर्व है।

वाकई, होली के रंगों में प्रेम (लाल), ज्ञान (पीला) और समृद्धि (हरा) के प्रतीक हैं, जो अद्वैत की भावना जगाते हैं। कृष्ण की लीला से जुड़ी यह भक्ति और आनंद का संगम है। इसमें कृषि और पर्यावरण के लिए भी संदेश है। फसल कटाई के बाद मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है, जहां होलिका में पौधे भेंट किए जाते हैं। इसके उल्लास से मानसिक स्वास्थ्य सुधारता है और सामूहिक शुद्धि का माध्यम बनता है।

कार की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत, चालक फरार

मंत्र भारत संवाददाता

झूंसी। इसीपुर गांव के पास बुधवार रात सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की जान चली गई। 71 वर्षीय चंद्रकली पास के एक शादी समारोह से घर लौट रही थीं। सड़क पार करते समय सहसों की ओर से आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। मृतका के पुत्र रंजीत कुशवाहा की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

होली पर एसआरएन में मरीजों की बढ़ी संख्या, 365 मरीजों का हुआ उपचार

एक्सीडेंट और फूड पॉइजनिंग के मामले रहे अधिक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। होली जैसे बड़े पर्व के दौरान मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से संबद्ध स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन चिकित्सालय) में मरीजों की आमद बढ़ी रही। 4 मार्च प्रातः 8:00 बजे से 5 मार्च शाम 6:00 बजे तक अस्पताल की इमरजेंसी एवं विभिन्न विभागों में कुल 365 मरीजों का उपचार किया गया।

मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. संतोष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवधि में मेडिसिन विभाग में 67 मरीज, ट्रॉमा सेंटर में 38 मरीज तथा इमरजेंसी ओपीडी में 260 मरीज पहुंचे। त्योहार के दौरान आने वाले मरीजों में फूड पॉइजनिंग के मामले सबसे अधिक देखने को मिले, जबकि कई मरीज रंगों से एलर्जी, त्वचा में जलन, सड़क दुर्घटनाओं तथा नशे की स्थिति में गिरने के कारण अस्पताल पहुंचे।

उन्होंने बताया कि त्योहारों वेक दौरान खानपान में अनियमितता, बासी या अस्वच्छ भोजन तथा अत्यधिक तले-भुने खाद्य पदार्थों के सेवन के कारण फूड पॉइजनिंग के मामलों में वृद्धि देखी जाती है। ऐसे मामलों में मरीजों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और कमजोरी की शिकायत के साथ अस्पताल आना पड़ा। चिकित्सकों की टीम ने सभी मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया।

प्रधानाचार्य डॉ. वी.के. पांडेय ने बताया कि होली के अवसर पर अस्पताल प्रशासन द्वारा विशेष इमरजेंसी व्यवस्था की गई थी। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई थी, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। अस्पताल की टीम की तत्परता के कारण सभी मरीजों को शीघ्र उपचार मिला और कोई गंभीर स्थिति सामने नहीं आई।

डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि त्योहारों के दौरान विशेष रूप से युवाओं में नशे की प्रवृत्ति तथा तेज गति से दोपहिया वाहन चलाने के कारण ट्रॉमा के मामले भी सामने आते हैं। हालांकि एसआरएन चिकित्सालय के अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर एवं बर्न यूनिट के कारण सभी मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई।

होली के अवसर पर की गई इस विशेष व्यवस्था का लाभ प्रयागराज शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीजों को भी मिला। अस्पताल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि त्योहारों के दौरान खानपान में सावधानी बरतें, नशे से बचें और सुरक्षित तरीके से पर्व मनाएं, ताकि दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सके।

1417 विद्यालयों में 7382 सीटों पर छात्रों का होना है प्रवेश, ड्रा होगा नौ मार्च

आरटीई के दूसरे चरण में प्रवेश के लिए आवेदन आज तक : बीएसए

प्रयागराज। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि सात मार्च शुक्रवार तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 1417 विद्यालयों में 7382 सीटों पर छात्र - छात्राओं को दूसरे चरण में प्रवेश दिया जाएगा। सत्यापन में योग्य पाए जाने वाले अभ्यर्थियों का चुनाव लाटरी से होगा। यह ड्रा नौ मार्च को होना है। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अलाभित समूह व दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा एक व पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश देने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। तीन चरणों में आवेदन मांगा गया है। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि पहला चरण पूरा हो चुका है। इसमें 2651 विद्यार्थी चयनित हुए हैं।

पूर्णाहुति, संत सम्मेलन, महा प्रसाद वितरण कार्यक्रम

काल भैरव, बउचरा माता प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ आठ से : राजेश्वरी नंद गिरि

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा झारखंड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने आज बताया कि तीन दिवसीय श्री श्री 108 काल भैरव और बउचरा माता के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ कार्यक्रम आठ मार्च से शुरू होकर 10 मार्च तक श्री मंगलमुखी धाम, बंधा पोखर के सामने, देवघर, झारखंड में चलेगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाडा की आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) श्री श्री 1008 किन्नर पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी जी महराज है। महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि ने बताया कि पहले दिन आठ मार्च को भव्य कलश यात्रा सुबह नौ बजे निकलेगी, दूसरे दिन नौ मार्च को वेदी पूजन, आधिवास और 10 मार्च को पूर्णाहुति, संत सम्मेलन और महा प्रसाद का वितरण होगा जिसमें देश के कोने - कोने से बडी संख्या में किन्नर संत और क्षेत्रीय लोग शामिल होगे।

किन्नर अखाड़ा झारखंड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने आज बताया कि किन्नर अखाड़ा सनातन धर्म से अधिक से अधिक लोगों को जोडते हुए आगे बढ रहा है क्योंकि किन्नर अखाड़ा के गठन के बाद से बडी संख्या में लोग तेजी से सनातन धर्म से जुडकर मजबूत कर रहे है।उन्होंने कहा कि इसका सारा श्रेय किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) श्री श्री 1008 किन्नर पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज को है जिन्होंने देश, विदेश के लाखों लोगों को सनातन धर्म से जोडकर नया इतिहास बना दिया। महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने आज बताया कि सनातन धर्म और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए किन्नर अखाड़ा का गठन हुआ है।

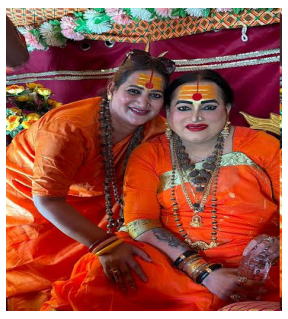

किन्नर संतों ने खेली होली, दिया आशीर्वाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाडा के बडी संख्या में शिष्यों और पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां) के नेतृत्व में रंगों से होली खेली और एक - दूसरे को अबीर, गुलाल लगाकर बधाई दिया। महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां) ने सभी पदाधिकारियों, शिष्यों को आशीर्वाद देते हुए उनके मंगल की ईश्वर से कामना किया। उन्होंने कहा कि होली सभी लोग मिलकर मनाते है, यह ऐसा त्यौहार है जिसमें लोग आपसी वैमनस्य को भूल जाते है और एक - दूसरे को गले लगाकर प्रेमपूर्वक रहते है। इस दौरान किन्नर अखाडा की श्रीमहंत कामाक्षी नंद गिरि, शुभम नंद गिरि, हर्षिता नंद गिरि, मनीषा नंद गिरि, शिवानी नंद गिरि, आलिया नंद गिरि सहित अन्य प्रमुख लोग थे।

लिव-इन में रहने वाली महिला की संदिग्ध हालात में मौत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के मऊकछार इलाके में किराए के कमरे में रह रही एक महिला का शव बुधवार रात फंदे से लटका मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतरवाया और फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल की जांच की। मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस महिला के साथ लिव-इन में रह रहे युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।पुलिस के अनुसार, नेपाल की 35 वर्षीय किरन चौधरी पिछले करीब दो साल से एक युवक के साथ मऊकछार में किराए का कमरा लेकर रह रही थी। लिव इन पार्टनर बुधवार की शाम किसी काम से बाहर गया था।

देर रात लौटने पर कमरे का एक दरवाजा में बाहर से ताला बंद मिला, जबकि दूसरा दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला तो उसने पुलिस को सूचना दी। कैंट पुलिस ने ताला तोड़कर कमरे में प्रवेश किया, तो महिला का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए, लेकिन कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। वहीं महिला का मोबाइल फोन भी गायब बताया जा रहा है, जिसे पुलिस तलाश रही है।जांच में पता चला कि किरन चौधरी की एक बेटी है, जो कानपुर में रहकर पढ़ाई कर रही है। पुलिस उसकी बेटी से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। कैंट थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि परिस्थितियां संदिग्ध हैं।

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने द वन एंड ओनली लॉन्च किया

प्रयागराज। ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, जिसने कई पीढ़ियों

से सफलता के मायने को नई ऊंचाई दी है, अपना नया कैंपेन 'द वन एंड ओनली' लेकर आया है - सफलता की एक नई और प्रभावशाली कहानी।

ज़ी टीवी की नई कैम्पेन फिल्म पिच पिचक पिच ने दिया साफ और सेफ होली का संदेश

प्रयागराज। होली साल में एक बार आती है, लेकिन कई शहरों में इसका असर पूरे साल महसूस होता है। वजह रंगों की खुशियां नहीं, बल्कि वो आदतें हैं जो सार्वजनिक जगहों को गंदा और बदसूरत बना देती हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव से पूर्व योग के रंग में रंगा परमार्थ निकेतन

विश्व के अनेक देशों से आये साधक गंगा तट पर योग ध्यान, सत्संग व गंगा आरती का ले रहे दिव्य अनुभव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। देवभूमि उत्तराखण्ड, हिमालय की पावन गोद में स्थित परमार्थ निकेतन इन दिनों योग, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा के अद्भुत रंगों से सराबोर है। विश्व विख्यात अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के आरम्भ से पूर्व ही यहाँ का वातावरण योगमय हो उठा है। दुनिया के विभिन्न देशों से आये योग साधक और आध्यात्मिक जिज्ञासु माँ गंगा के पावन तट पर योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और दिव्य गंगा आरती में भाग लेकर एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं।

प्रातःकाल उगते हुए सूर्य की स्वर्णिम किरणों के बीच परमार्थ गंगा तट पर साधक जब योग और ध्यान का अभ्यास करते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है मानो सम्पूर्ण प्रकृति ही योगमय हो गयी हो। गंगा जी की कलकल धारा, हिमालय की शांत छाया इस साधना को और भी दिव्यता प्रदान करता है।

विश्व के विभिन्न देशों, अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, इटली सहित एशिया के अनेक देशों से आये योग साधक यहाँ भारतीय योग परम्परा की गहराई और उसकी आध्यात्मिकता को अनुभव करते हैं। अनेक साधकों का अनुभव है कि ऋषिकेश में गंगा तट पर योग करना उनके लिए जीवन का एक अविस्मरणीय अनुभव है, जहाँ वे केवल शरीर का अभ्यास नहीं बल्कि आत्मा की शांति और संतुलन को भी महसूस करते हैं।

संध्या के समय पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में परमार्थ गंगा तट पर होने वाली दिव्य गंगा आरती इस आध्यात्मिक अनुभव को दिव्यता प्रदान करती है और साधकों को भाव-विभोर कर देती है।

परमार्थ निकेतन का यह पावन परिसर एक बार फिर विश्व को योग, शांति और एकता का संदेश देने के लिए तैयार है। गंगा तट पर योग के रंगों में रंगी यह आध्यात्मिक भूमि सम्पूर्ण विश्व को आमंत्रित कर रही है, आइए, योग के माध्यम से स्वयं से जुड़ें, प्रकृति से जुड़ें और सम्पूर्ण मानवता के साथ एकात्मता का अनुभव करें।

प्रयागराज से दिल्ली को पांच जोड़ी विशेष ट्रेनें

प्रयागराज। होली के बाद ट्रेनों में अधिक भीड़ और सीट के लिए मारामारी के मद्देनजर रेल प्रशासन ने प्रयागराज से दिल्ली के बीच पांच जोड़ी विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। ये गाड़ियां पांच मार्च से 10 मार्च 2026 के बीच अलग-अलग तिथियों में एक-एक फेरे लगाएंगी।गाड़ी संख्या 04141/42 (5-6 मार्च), गाड़ी संख्या 04143/44 (6-7 मार्च), गाड़ी संख्या 04145/46 (7-8 मार्च), गाड़ी संख्या 04147/48 (9-10 मार्च) तथा गाड़ी संख्या 04149/50 (8-9 मार्च) के लिए संचालित होंगी। अधिकांश ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन से रात में प्रस्थान कर सुबह दिल्ली पहुंचेंगी, जिससे यात्रियों को दिन में अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा होगी।

इन ट्रेनों में सामान्य, स्लीपर, एसी थर्ड, एसी सेकेंड सहित विभिन्न श्रेणियों के कोच लगाए गए हैं। मार्ग में फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, अलीगढ़, दादरी और गाजियाबाद जंक्शन प्रमुख ठहराव होंगे।

सीआरपीएफ दरोगा की कार में आग, दो चाय दुकानों को भी फूंका

थरवई (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी कॉलोनी में अराजक तत्वों ने मंगलवार देर रात सीआरपीएफ में तैनात दरोगा अजय नाथ गहलोत की सेंट्रो कार में आग लगा दी, जिससे कार जलकर राख हो गई। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था।

बेली कछार में 10 करोड़ की जमीन खाली कराई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। लगातार भूमाफिया के खिलाफ अभियान जारी है। इसके बाद भी लोग सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। बेली कछार में 10 बीघा सरकारी जमीन से माफिया का कब्जा हटाया गया और किए गए निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर दोबारा कब्जा किया गया तो बड़ी कार्रवाई होगी। बेली कछार में आठ आराजी पर अवैध कब्जे की बात पिछले दिनों सामने आई। जिसके बाद प्रशासन की टीम ने यहां का दौरा किया। पाया कि जमीन राजकीय अस्थान की थी। जहां पर कई पक्के मकान बना लिए गए थे और कुछ अस्थायी निर्माण भी कराए गए थे।

एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह व तहसीलदार अनिल पाठक की मौजूदगी में पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तो चिह्नित भूखंड पर अवैध कब्जे को हटाया गया। अस्थायी निर्माण तत्काल गिरा दिए गए, जबकि स्थायी निर्माण करने वाले ने कुछ दिन की मोहलत मांगी है जिसके बाद उन्हें समय देकर कार्रवाई को रोका गया। एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि कब्जा मुक्त कराई गई जमीन की कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये के आसपास है। इसके अलावा शहर के अन्य स्थानों पर सरकारी जमीन के दस्तावेज देखे जा रहे हैं। जहां पर भी अवैध कब्जा किया गया होगा, वहां पर उसे हटाने के लिए कार्रवाई की जाएगी।

डीआईजी मेडिकल ने कर्मचारियों संग मनाया होली मिलन

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र थरवई स्थित संयुक्त चिकित्सालय परिसर में बुधवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीआईजी मेडिकल डॉ. विनय अग्रवाल ने चिकित्सालय के डॉक्टरों व कर्मचारियों के साथ होली की शुभकामनाएं साझा कीं। इस अवसर पर डॉ. अजीत कुमार दिवाकर, डॉ. विपुल कुमार, डॉ. बी.सी. यादव, डॉ. शंकर लाल चाहर, निरीक्षक रूपम, निरीक्षक धर्मवीर, निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सहित संयुक्त चिकित्सालय के सभी स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे कअबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी सौहार्द का संदेश दिया।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के मनसैता गांव के पास थरवई-सहसो फोरलेन हाईवे पर बुधवार दोपहर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई।सूचना पर पुलिस ने 108 एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी कोटवा बनी भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान रुदापुर निवासी 22 वर्षीय मनोज कुमार गौतम व चंदापुर निवासी 25 वर्षीय राहुल कुमार गौतम के रूप में हुई। दोनों होली पर रिश्तेदारी में जा रहे थे।इंस्पेक्टर संतोष कुमार पांडे ने बताया कि बाइक तेज रफ्तार में थी। घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है।

भारत और फिनलैंड ने कौशल विकास व्यावसायिक शिक्षा और वर्कफोर्समोबिलिटी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की

वाराणसी। भारत सरकार के माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने आज फिनलैंड सरकार के माननीय रोजगार मंत्री श्री मटियासमार्टिनेन के साथ एक द्विपक्षीय बैठक की।

भिवंडी करों पर मनपा के बजट जितना, उतना प्रॉपर्टी टैक्स बकाया

994.30 करोड़ की देनदारी, 175.74 करोड़ लक्ष्य के मुकाबले अब तक सिर्फ 70 करोड़ वसूली

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका (मनपा) पर प्रॉपर्टी टैक्स वसूली को लेकर गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। शहरवासियों पर कुल 994.30 करोड़ रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है, जिसमें करीब 418 करोड़ रुपये माफ ब्याज के हैं। यह रकम मनपा के वार्षिक बजट के लगभग बराबर बताई जा रही है। ऐसे में विकास कार्यों की रफ्तार पर भी असर पड़ रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मनपा प्रशासन ने 175.74 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य तय किया है, लेकिन अब तक करीब 70 करोड़ रुपये ही वसूले जा सके हैं। आंकड़े बताते हैं कि पहले सात महीनों में महज 29.96 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जिसमें 16 करोड़ रुपये चालू वर्ष का टैक्स और 13 करोड़ रुपये पुराना बकाया शामिल है।

ब्याज माफी योजना के भरोसे वसूली....

प्रॉपर्टी टैक्स विभाग के उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर ने बताया कि बकाया टैक्स की वसूली में सुस्ती लंबे समय से मनपा के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बकाया वसूली के लिए मनपा 'अभय योजना' चला रही है, जिसके

बालकृष्ण क्षीरसागर
उपायुक्त कर

तहत ब्याज में शत-प्रतिशत छूट दी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना की अवधि सीमित है और 31 मार्च 2026 के बाद किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। योजना के बाद भी भुगतान नहीं करने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वसूली के लिए 80 से अधिक क्लर्क तैनात....

प्रॉपर्टी टैक्स विभाग प्रमुख सुधीर गुरव ने बताया कि वसूली प्रक्रिया को तेज करने के लिए पांचों प्रभाग समितियों में 80 से अधिक क्लर्कों की नियुक्ति की गई है। उन्हें 2,85,171 संपत्ति धारकों से वसूली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा विशेष टीमें भी गठित की गई हैं, जो बड़े बकायेदारों पर नजर रख रही हैं।

प्रभाग नुसार बकाया (करोड़ रुपये में)

प्रभाग 1 : पिछला 296.94, चालू वर्ष 51.95, कुल 348.89 करोड़
प्रभाग 2 : पिछला 161.65, चालू वर्ष 33.81, कुल 195.46 करोड़
प्रभाग 3 : पिछला 141.03, चालू वर्ष 35.49, कुल 176.52 करोड़
प्रभाग 4 : पिछला 124.17, चालू वर्ष 34.08, कुल 158.25 करोड़
प्रभाग 5 : पिछला 94.77, चालू वर्ष 20.41, कुल 115.18 करोड़

कहां कितनी संपत्तियों पर बकाया....

प्रभाग 1 में 69,863 आवासीय और 9,598 व्यावसायिक, कुल 79,461 संपत्तियों पर बकाया है।
प्रभाग 2 में 52,298 आवासीय और 8,073 व्यावसायिक, कुल 60,371 संपत्तियां बकायेदार हैं।
प्रभाग 3 में 59,776 आवासीय और 7,559 व्यावसायिक, कुल 67,335 संपत्तियों पर बकाया है।
प्रभाग 4 में 32,776 आवासीय और 8,243 व्यावसायिक, कुल 41,019 संपत्तियां बकायेदार हैं।
प्रभाग 5 में 30,720 आवासीय और 6,265 व्यावसायिक, कुल 36,985 संपत्तियों पर टैक्स बकाया है।

विकास कार्यों पर पड़ रहा असर.....

मनपा की आय का प्रमुख स्रोत प्रॉपर्टी टैक्स है, लेकिन कई वर्षों से अपेक्षित वसूली नहीं होने के कारण सड़कों, जलापूर्ति, सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बड़ी संख्या में संपत्ति धारक ब्याज माफी योजनाओं का इंतजार करते हुए भुगतान टाल देते हैं, जिससे बकाया लगातार बढ़ता जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि प्रभाग 1 में सबसे ज्यादा 348.89 करोड़ रुपये का बकाया है।अब देखने वाली बात यह होगी कि मनपा प्रशासन तय लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितनी सख्ती और प्रभावी रणनीति अपनाता है। फिलहाल शहर पर टैक्स का बढ़ता बोझ और धीमी वसूली मनपा की वित्तीय सेहत के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

भिवंडी में रमजान के बीच अंधेरा और गंदगी का संकट..

जाम गटर, बंद स्ट्रीट लाइटें, रोजेदारों ने आयुक्त को सौंपा शिकायत पत्र

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। पवित्र रमजान माह के दौरान भिवंडी मनपा के वार्ड क्रमांक 1 में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी रोष है। पाजरा पुल स्थित हसन पटेल की चाल, डॉ. कफील दवाखाना क्षेत्र में बीते कई दिनों से स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं और गटरों की सफाई न होने से हालात गंभीर बने हुए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से मोहल्ले की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें बंद हैं। रमजान के चलते रोजेदार देर रात सहरी के लिए उठते हैं और मस्जिदों की ओर जाते है, लेकिन गलियों में अंधेरा होने से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है,सफाई व्यवस्था को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। रहवासियों के अनुसार पिछले लगभग तीन महीनों से क्षेत्र में नियमित गटर सफाई नहीं हुई है। कई स्थानों पर नाले जाम हैं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है,दुर्गंध के कारण आसपास रहना मुश्किल हो गया है। ठहरे हुए पानी से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

भिवंडी सपा कार्यालय के सचिव मो. असलम फैजाबादी ने आरोप लगाया कि बार-बार सूचना देने के बावजूद संबंधित विभाग कार्रवाई नहीं कर रहा है। उनका कहना है कि पाक महीने में विशेष सफाई और रोशनी की व्यवस्था होनी चाहिए थी, लेकिन यहां हालात इसके उलट हैं। नाराज सपा सचिव ने महानगरपालिका आयुक्त को लिखित शिकायत सौंपते हुए मांग की है कि बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें तत्काल शुरू की जाएं, जाम गटरों की युद्धस्तर पर सफाई कराई जाए तथा मच्छरों से बचाव के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग अभियान चलाया जाए। वही स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे महानगरपालिका मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। अब देखना यह है कि मनपा प्रशासन कब तक इस गंभीर स्थिति पर ठोस कदम उठाता है।

दोस्ती का भरोसा बना धोखे की वजह, बैंक खाते से लाखों की ठगी.., आरोपी फरार

भिवंडी। शहर में दोस्ती और विश्वास का फायदा उठाकर बैंक खाते से बड़ी रकम हड़पने का मामला सामने आया है। इस संबंध में शांतिनगर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता समसाद रज्जब खान (37), निवासी गेबीनगर, शांतिनगर, भिवंडी ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी पहचान तारिक उर्फ बाबा मुनीर अंसारी, निवासी गुलजार नगर से थी। दोनों के बीच मित्रतापूर्ण संबंध थे।आरोप है कि आरोपी ने मित्रता का लाभ उठाकर पहले विश्वास हासिल किया और फिर शिकायतकर्ता के नाम से अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाए। इसके बाद विभिन्न माध्यमों से उन खातों में बड़ी रकम जमा कराई गई। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने बिना अनुमति उन खातों से अलग-अलग तरीकों से पैसे निकाल लिए, जिससे शिकायतकर्ता को आर्थिक नुकसान हुआ। यह घटना 22 फरवरी 2026 को न्यू मेट्रो होटल, खंडूपाड़ा, भिवंडी में हुई मुलाकात के बाद सामने आई। शिकायत 3 मार्च 2026 को दर्ज की गई। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक योगेश गायकर कर रहे हैं।

झगड़ा सुलझाने गए व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी तालुका के कशेली इलाके में दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने गए एक व्यक्ति की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले के अनुसार दो नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। समाचार लिखे जाने तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी.पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता रोहित उमेश साव (19) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना 3 मार्च 2026 की शाम करीब 6:30 बजे जय मातादी कंपाउंड, कशेली स्थित एक इमारत परिसर में हुई।

शिकायत में कहा गया है कि शिकायतकर्ता के पिता उमेश साव (45) इमारत के नीचे मौजूद थे, जहां दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी दौरान वे बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोप है कि चंद्रनप्रकाश हरिराम साव और कारूकुमार हरिराम साव ने गुस्से में आकर उमेश साव पर लकड़ी के फट्ठों से हमला कर दिया। हमले में उनके सिर, हाथ और पैर पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश काकड़ कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भिवंडी मनपा के नवनिर्वाचित महापौर नारायण चौधरी ने संभाला पदभार...

राजनीतिक उठापटक के बीच दो सप्ताह बाद किया कार्यभार ग्रहण

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका के नवनिर्वाचित महापौर नारायण चौधरी ने बुधवार, 4 मार्च को विधिवत रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। मनपा मुख्यालय पहुंचने पर समर्थकों और पालिका अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। महापौर के रूप में उनका कार्यभार संभालना हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के बाद विशेष महत्व रखता है।

गौरतलब है कि भिवंडी मनपा का चुनाव 15 जनवरी को संपन्न हुआ था और 16 जनवरी को परिणाम घोषित किए गए थे। चुनाव परिणाम में कांग्रेस पार्टी 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। भाजपा को 22, शिवसेना (शिंदे गुट) को 12, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) को 12, समाजवादी पार्टी को 6, कोर्णाक विकास

आघाड़ी को 4, भिवंडी विकास आघाड़ी को 3 और एक निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली थी।

महापौर पद के लिए 46 नगरसेवकों का समर्थन आवश्यक था। प्रारंभिक स्थिति में किसी भी दल के पास पूर्ण बहुमत नहीं था। बाद में हुए राजनीतिक समीकरणों में कांग्रेस के 30, राकांपा (शरद पवार गुट) के 12 और भाजपा के 6 नगरसेवकों के समर्थन से नारायण चौधरी को 20 फरवरी को महापौर चुना गया। इस घटनाक्रम के बाद संबंधित दलों में आंतरिक असंतोष भी सामने आया है और बगावत करने वाले नगरसेवकों पर पार्टी स्तर पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। चुनाव के लगभग दो सप्ताह बाद बुधवार को चौधरी ने औपचारिक रूप से महापौर पद की जिम्मेदारी संभाली। पदभार ग्रहण के दौरान मनपा के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे। पदभार संभालने के बाद महापौर नारायण चौधरी ने शहर के विकास, मूलभूत सुविधाओं में सुधार और सभी पक्षों को साथ लेकर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि भिवंडी की जनता ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी। अब देखना यह होगा कि बहुमत के जटिल समीकरणों के बीच नई महापौर टीम शहर की प्रशासनिक चुनौतियों से किस तरह निपटती है।

मनपा का पानी चोरी करते पकड़ा गया सर्विस सेंटर का मालिक, केस दर्ज

भिवंडी। भिवंडी नाशिक रोड के अवचित पाडा में महानगरपालिका की जलापूर्ति लाइन में अवैध रूप से छेड़छाड़ कर पानी चोरी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने सर्विस सेंटर मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 4 मार्च की सुबह करीब 11 बजे मौजे निजामपुर, अजवा स्वीट के सामने, अवचितपाड़ा, नाशिक रोड स्थित क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान यह गड़बड़ी पकड़ी गई। मनपा जलापूर्ति विभाग के प्रथम प्रमुख विराज मनोहर भोईर ने मौके पर देखा कि आरोपी शेख मेराज खलील अहमद ने बिना किसी पूर्व अनुमति के महानगरपालिका की जलवाहिनी में छेद कर लगभग आधा इंच व्यास की दो पाइप जोड़कर अवैध कनेक्शन ले रखा था।बताया जा रहा है कि उक्त अवैध कनेक्शन के माध्यम से सर्विस सेंटर संचालित किया जा रहा था। इस दौरान महानगरपालिका को करीब 99,400 रुपये के पानी का नुकसान हुआ है। साथ ही जलवाहिनी को भी क्षति पहुंचाई गई है। शिकायत के आधार पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

दुबई भेजने के नाम पर 94,500 रुपये की ठगी, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी। दुबई भेजने के नाम पर एक युवक से 94,500 रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता मोहम्मद जाफर मुजतबा हुसैन (38) नवी मुंबई के उलवे सेक्टर-19 में रहते हैं और सुपरवाइजर के रूप में काम करते हैं। शिकायत में बताया गया है कि उनकी सास नसरिन बानो मेहताब सय्यद के माध्यम से दुबई में काम के लिए संपर्क हुआ था। आरोप है कि आरोपी फैसल मंजूर अहमद शेख (37), निवासी कल्याण रोड, भिवंडी ने दुबई भेजने के लिए नौकरी और टिकट की व्यवस्था करने का झांसा दिया। इसके बदले उसने 94,500 रुपये लिए और कथित तौर पर बनावटी टिकट देकर शिकायतकर्ता के साथ धोखाधड़ी की। यह घटना 29 अगस्त 2025 को शाम करीब 4 बजे के आसपास गणेश भवन, कल्याण रोड, भिवंडी में हुई बताई गई है। मामले की शिकायत 4 मार्च 2026 को पुलिस में दर्ज कराई गई। भिवंडी शहर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश के कारण दो पक्षों में मारपीट, 12 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

भिवंडी। भिवंडी के फेणेगांव इलाके में आपसी विवाद के चलते दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना में दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस के अनुसार, पहली शिकायत आकाश गोकुल पाटिल (28) ने दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि 4 मार्च 2026 को दोपहर करीब डेढ़ बजे से 2 बजे के बीच स्कूल नंबर 48 के पास किराना दुकान के सामने कुछ लोगों ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए लोहे की रॉड और ईंट से हमला कर दिया। इस हमले में उन्हें चोटें आईं। साथ ही आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी और उनकी कार में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। इस मामले में प्रशांत पाटिल, राजेश पाटिल, प्रवीण पाटिल, उमेश पाटिल, निलेश पाटिल और कुशाग्र अग्रवाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर कन्हैयालाल रामरतन बिंद (50) ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उसी दिन दोपहर करीब 2:30 बजे राम किराना स्टोर्स के पास कुछ लोगों ने उन्हें और उनके साथियों को गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की। इस हमले में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में प्रेमनाथ अनंता पाटिल, काथोड धुमाल, गोकुल पाटिल, अशोक पाटिल और सचिन पाटिल के खिलाफ केस दर्ज किया है,भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में दोनों मामलों में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप, पति सहित पांच के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी इलाके में दहेज को लेकर एक विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर उसके पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, 31 वर्षीय पीड़िता शांतिनगर, भाजी मार्केट क्षेत्र में रहती है। शिकायत में बताया गया है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज को लेकर उसे लगातार ताने देते थे। आरोप है कि पति इरफान युनूस चव्हाण, सास मुमताज युनूस चव्हाण, ससुर युनूस चव्हाण और ननद मदिना रियाज सातनारी ने मिलकर पीड़िता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

पीड़िता का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग कहते थे कि उसके मायके वालों ने शादी में दहेज नहीं दिया। इसके अलावा आरोपियों ने उसके मायके से पैसे लाने का दबाव बनाया। शिकायत में कहा गया है कि पति का नया व्यवसाय शुरू करने के लिए उससे 5 लाख रुपये मायके से लाने की मांग की गई। पैसे न लाने पर उसे बार-बार अपमानित किया गया और मारपीट भी की गई। पुलिस के मुताबिक यह घटनाएं 18 फरवरी 2021 से 30 अगस्त 2025 के बीच उसके ससुराल गुजरात के जिला अमरेली तालुका सावंतकुंडना में होती रहीं। आखिरकार पीड़िता ने परेशान होकर भिवंडी अपने मायके आई और शांतिनगर पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक एन.जी.काते कर रहे हैं।

आरएसएस कार्यकर्ताओं से जमीनी फीडबैक ले रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, यूपी चुनाव को लेकर हुए सक्रिय

लखनऊ। यूपी चुनाव को लेकर सक्रिय हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारियों से मिलकर जमीनी फीडबैक ले रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने गाजियाबाद में भाजपा-आरएसएस की संगठनात्मक समन्वय बैठक में हिस्सा लिया और स्वयंसेवकों से लंबी बातचीत की। बैठक में संघ के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय भाजपा नेता शामिल थे। इसी तरह की बैठक पूरे प्रदेश में की जाएगी जिसमें आरएसएस के स्वयंसेवकों और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करते हुए काम करने पर जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री इन बैठकों में विभिन्न मुद्दों पर जनता की जमीनी राय से भी वाकिफ होने की कोशिश करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इस तरह की बैठक आयोजित करने का सबसे बड़ा उद्देश्य चुनाव को देखते हुए भाजपा-आरएसएस कार्यकर्ताओं में समन्वय स्थापित करना है। पार्टी नेताओं का मानना है कि दोनों संगठनों में बेहतर समन्वय के कारण 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में बेहतर परिणाम मिले थे। इसी तरह 2017 और 2022 के प्रदेश के चुनावों

में भी दोनों संगठनों में बेहतर सामंजस्य का परिणाम बड़ी जीत के रूप में सामने आया था। यूपी में तीसरी बार सरकार बनाकर हैट्रिक लगाने की इच्छुक भाजपा इस सहयोग को मजबूत कर 2027 का चुनावी समर जीतना चाहती है।

गैर प्रशासनिक तरीके से जनता की राय जानने की कोशिश कर रहे योगी

बताया जा रहा है कि इन बैठकों के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन मुद्दों की भी पहचान करना चाहते हैं जिसको लेकर जनता की उम्मीदें अधिक हैं, लेकिन उनकी अपेक्षाओं के अनुसार अभी कार्य नहीं हुआ है। अभी चुनावों में करीब एक साल का समय शेष है। ऐसे में प्रमुख मुद्दों की पहचान कर उन पर अपेक्षित कार्य कर जनता को बेहतर तरीके से अपने साथ लाने के तरीके भी खोजे जा रहे हैं।

जमीन पर जुड़कर काम करने के मिले निर्देश

सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में भाजपा-आरएसएस के कार्यकर्ताओं को निचले स्तर पर जाकर लोगों के साथ मिलकर काम करने के निर्देश मिले हैं। पश्चिमी यूपी के जिन इलाकों में भाजपा बेहतर परिणाम हासिल करती रही है, उनमें समाज के प्रभावशाली वर्गों से मिलकर बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश मिले हैं, जबकि जिन क्षेत्रों में पार्टी की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर रही है, वहां पार्टी की दृष्टि से बेहतर संभावना वाले वर्गों से मिलकर उन्हें अपने से जोड़ने की कोशिश करने के लिए कहा गया है।

राज्यसभा सीट न मिलने पर छलका आनंद शर्मा का दर्द, बोले- आत्मसम्मान की कीमत चुकानी पड़ती है

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने गुरुवार को कहा कि राजनीति में आत्मसम्मान बहुत महंगा होता है और सच बोलना अब अपराध माना जाता है। यह बयान उन्होंने तब दिया जब पार्टी ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सीट के लिए कांगड़ा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनुराग शर्मा को अपना उम्मीदवार नामित किया। दिल्ली रवाना होने से पहले शिमला में एएनआई से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें पार्टी उम्मीदवार के रूप में क्यों नहीं चुना गया, इस पर टिप्पणी करने की उनकी कोई संभावना नहीं है।

आनंद शर्मा ने कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं निराश हूं, लेकिन मैं एक बात जरूर कहूंगाः राजनीति में आत्मसम्मान बहुत महंगा होता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ती है, और सच बोलना अब अपराध माना जाता है। पार्टी नेतृत्व के फैसले का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि इसका जवाब केवल वही लोग दे सकते हैं जिन्होंने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि मुझे क्यों नहीं भेजा गया और आखिरी

समय में उम्मीदवारी वापस क्यों ली गई, इसका जवाब केवल वही लोग दे सकते हैं जो फैसले लेते हैं और जिनकी सलाह पर फैसले लिए जाते हैं। इस पर टिप्पणी करने की मेरी कोई संभावना नहीं है। शर्मा ने कहा कि जो कुछ हुआ है, उससे मैं डरता नहीं हूँ। निर्णय लेने वालों के पास सर्वोच्च कमान का अधिकार है। शायद उन्होंने अपनी दूरदर्शिता से यह निर्णय लिया है। वे इसके गुण-दोषों को समझा सकते हैं। जो कुछ हुआ है, मैं उसे समझा नहीं सकता। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह निर्णय पार्टी नेतृत्व की सिफारिश पर लिया गया था, तो शर्मा ने कहा कि वर्षों से हिमाचल प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सौभाग्य की बात रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। शिमला और हिमाचल प्रदेश में, कांगड़ा और मंडी सहित कई संस्थानों ने समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। यह हिमाचलियों के लिए एक यादगार रहेगा। शर्मा ने कहा कि राज्य से उनका गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव है और वे यहाँ आते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरा घर है। मैं यहाँ आता रहता हूँ। मेरा पैतृक घर यहाँ है, और मैं आता रहूँगा। मैं हमेशा हिमाचल के लोगों के साथ रहूँगा।

युवक का अपहरण कर 50 हजार की फिरौती मांगी

तीन गिरफ्तार, दो फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के शांतिनगर क्षेत्र में एक युवक का अपहरण कर उससे 50 हजार रुपये की फिरौती मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 3 मार्च 2026 की रात 11:30 बजे से 4 मार्च की सुबह 5:30 बजे के बीच की है। आरोप है कि शेख उर्फ सादिक समीर अंसारी (32), मोहम्मद फिरोज अब्दुल्ला खान (22), तौफिक हुसैन शेख (19) तथा उनके एक दो साथी ने आपसी साजिश रचकर शिकायतकर्ता के भाई हैदर असलम (23) का शांतिनगर, भिवंडी क्षेत्र से अपहरण कर लिया। आरोपियों ने हैदर को डोंगरीपाड़ा स्थित एक गोदाम में बंद कर मारपीट की और उसके बदले 50 हजार रुपये की मांग की। साथ ही रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। किसी तरह पीड़ित के परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी की तलाश जारी है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक योगेश गायकर कर रहे है पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

टी20 वर्ल्ड कप : सेमीफाइनल से पहले पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान, इंग्लैंड की गेंदबाजी भारत के लिए खतरा नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल से पहले भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस अहम मैच से पहले भारत के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण पर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप इतनी मजबूत है कि वह इंग्लैंड के बॉलिंग अटैक से निपट सकती है। मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला यह मुकाबला फाइनल में जगह तय करेगा, जहां विजेता टीम का सामना न्यूजीलैंड से होगा।

क्रिकेट एक्सपर्ट्स के बीच सेमीफाइनल को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही हैं, लेकिन सहवाग का मानना है कि इंग्लैंड की गेंदबाजी भारतीय बल्लेबाजों को ज्यादा परेशान नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय टीम बड़े लक्ष्य का पीछा कर सकती है, तो इंग्लैंड के खिलाफ भी ऐसा करना संभव है। सहवाग ने याद दिलाया कि टीम ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ 195 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था। उनका मानना है कि इसी आत्मविश्वास के साथ भारत इंग्लैंड के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।

हालांकि सहवाग ने इंग्लैंड की गेंदबाजी को बड़ा खतरा नहीं माना, लेकिन इस टूर्नामेंट में उनका बॉलिंग अटैक प्रभावशाली रहा है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अपनी रफ्तार से बल्लेबाजों पर दबाव बनाते रहे हैं। वहीं डेथ ओवरों में सैम करन ने शानदार गेंदबाजी की है। इसके अलावा जैमी ओवरटन ने भी तेज गेंदबाजी से टीम को मजबूती दी है। स्पिन विभाग में आदिल राशिद और लियाम डॉसन ने कसी हुई गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजों को बांधे रखा है। वहीं विल जैक्स ने ऑलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड को कई अहम मौकों पर बढ़त दिलाई है।

सहवाग ने यह भी कहा कि भारतीय टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा मिल सकता है। वानखेड़े स्टेडियम भारत के लिए एक जाना-पहचाना मैदान है, जहां टीम का रिकॉर्ड भी अच्छा रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सिर्फ घरेलू मैदान पर खेलने से जीत सुनिश्चित नहीं हो जाती। जीत के लिए बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में शानदार प्रदर्शन करना जरूरी होगा।

सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद भारतीय टीम ने शानदार वापसी की है। इसके बाद टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। वहीं संजू सैमसन की शानदार पारी की बदौलत भारत ने लगभग नॉकआउट जैसे मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का किया।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को सुनाई खरी-खरी, भारत के खिलाफ कर रहा था गलत बयानबाजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच बयानबाजी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर द्वारा भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कैफ का मानना है कि इस तरह के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय टीम को ऐसे बयानों पर ध्यान देने के बजाय अपने प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर ने यह भी दावा किया था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाएगा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान अक्सर जानबूझकर दिए जाते हैं ताकि मीडिया में चर्चा बने। उनके मुताबिक आमिर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को यह अच्छी तरह पता था कि भारत एक मजबूत टीम है और टूर्नामेंट के आगे के चरणों में पहुंचने की पूरी क्षमता रखती है।

कैफ ने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी लोकप्रियता बनाए रखने या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से अपील की कि ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। कैफ ने कहा कि अगर हर बयान का जवाब दिया जाएगा तो इससे उन लोगों को वही ध्यान मिलेगा जिसकी उन्हें तलाश रहती है। उनके अनुसार भारतीय टीम को अपने स्तर से नीचे जाकर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।

कैफ ने बातचीत के दौरान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ मिली हार को भी याद किया। उन्होंने खासतौर पर उस मैच के सुपर ओवर का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। कैफ ने आमिर की गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस सुपर ओवर में जरूरत से ज्यादा वाइड गेंदें फेंकी गईं, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। उनका मानना है कि दबाव की स्थिति में सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करना किसी भी अनुभवी गेंदबाज के लिए बेहद जरूरी होता है।

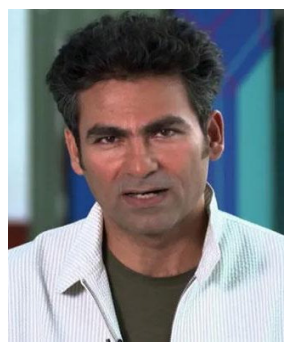

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा ढांचे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी अंतर है, जो दोनों टीमों के प्रदर्शन में भी दिखाई देता है। कैफ के अनुसार भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने घरेलू ढांचे, युवा खिलाड़ियों के विकास और प्रोफेशनल सिस्टम पर काफी काम किया है, जिसका फायदा टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहा है।

प्रियंका की भावनात्मक इच्छा! 'काश मेरे पापा निक और मालती से मिल पाते, वे निक को ही मेरे लिए चुनते'

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस आज भले ही सफलता के शिखर पर हों और अपनी खुशहाल शादीशुदा ज़िंदगी का आनंद ले रही हों, लेकिन उनके दिल में एक टीस हमेशा बनी रहती है। हाल ही में एक भावुक इंटरव्यू में प्रियंका ने अपने दिवंगत पिता डॉ. अशोक चोपड़ा को याद करते हुए एक ऐसी इच्छा ज़ाहिर की, जिसने उनके फैंस को भी भावुक कर दिया। 43 साल की प्रियंका ने म्यूज़िक के लिए अपने प्यार के बारे में विस्तार से बताया और निक को बहुत समझदार इंसान बताया। अशोक चोपड़ा की 2013 में कैंसर से लड़ाई के बाद मौत हो गई थी, जिसका एक्टर पर गहरा असर पड़ा।

मिथिकल किचन के साथ बातचीत में, प्रियंका ने कहा, 'निक बिल्कुल वैसा ही इंसान है जैसा मेरे पापा मेरे लिए चुनते अगर उन्हें चुनने का मौका मिलता। आप जानते हैं, कोई ऐसा जो म्यूज़िशियन हो। मेरे पापा का पहला प्यार म्यूज़िक था। उन्हें म्यूज़िक बहुत पसंद था। और मुझे सच में लगता है कि मेरे पति एक प्रोडिजी हैं। मुझे लगता है कि वह, जो लोग उन्हें एक सिंगर, सॉन्गराइटर या एक राइटर के तौर पर जानते हैं, जिन्होंने उन्हें स्टूडियो में देखा है, उनके लिए यह देखना कमाल का है।'

उन्होंने निक में उन खूबियों के बारे में भी बताया जो उन्हें पसंद हैं और यह भी कि वे उनके पिता की सोच से कैसे मेल खाती हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे फिर से प्रेरणा चाहिए होती है, तो मैं निक को काम करते देखने के लिए स्टूडियो जाती हूँ क्योंकि वह अपने ज़ोन में होते हैं और वह आइडिया और प्रेरणा से कुछ बनाते हैं, और वह चीज़ों को बहुत खूबसूरती से जोड़ते हैं, ' उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनके पिता को निक की यह खूबी कितनी पसंद आती।

निक को 'बहुत समझदार इंसान' कहते हुए, प्रियंका ने कहा कि उनके पिता भी उनकी ज़िंदगी में ऐसा ही कोई चाहते थे। यह मानते हुए कि वह उतनी समझदार नहीं हैं, प्रियंका ने कहा, 'आपको जिस बैलेंस की ज़रूरत होती है, आपके यांग के लिए यिन। मेरी यही ख्वाहिश होती, काश मेरे पापा मेरे पति और मेरी बेटी से मिलते।'

भारत की एनर्जी सिक्योरिटी पर संकट नहीं, मिडिल ईस्ट तनाव के बीच कनाडा-ऑस्ट्रेलिया बने विकल्प

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश कर रहा है, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने भारत को गैस बेचने की पेशकश की है। सरकारी सूत्रों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है। सरकार गैस खरीदने के लिए वैकल्पिक बाजारों की खोज कर रही है, क्योंकि भारत वर्तमान में प्रतिदिन 195 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर (एमएमएससीएमडी) गैस आयात करता है, जिसमें से कतर 60 मिलियन मिमीएससीएमडी की आपूर्ति करता है।

सूत्रों ने बताया कि ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत की स्थिति बेहद मजबूत है। वर्तमान में भंडार की स्थिति संतोषजनक है। भंडार की भरपाई प्रतिदिन की जा रही है। एलपीजी या एलएनजी की कोई कमी नहीं है। विश्व में कच्चे तेल की भी कोई कमी नहीं है। भारत अन्य आपूर्तिकर्ताओं के साथ भी संपर्क में है। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने भी भारत को गैस बेचने की पेशकश की है। भारत अन्य वैकल्पिक स्रोतों की भी तलाश कर रहा है। हाल ही में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के साथ एक नया अनुबंध किया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक भारत 195 मिलियन वर्ग मीटर प्रति मीट्रिक टन गैस आयात करता है।

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी ने की अपील

कोलकाता **(एजेंसी)**। वेस्ट इंडीज को उनके ट्रैवल शेड्यूल के बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन जिम्बाब्वे टीम के सदस्यों का पहला बैच अब घर के लिए निकल चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के चार दिन बाद भी जब वेस्टइंडीज कोलकाता में फंसा हुआ है, तो उनके हेड कोच डैरेन सैमी ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं'।

पश्चिम एशिया में संकट के चलते वेस्टइंडीज उन टीमों में से एक है जो भारत में फंसी हुई हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक शुरू में आईसीसी ने वेस्टइंडीज को बताया था कि टीम को लंदन के लिए एक चार्टर फ्लाइट से कैरिबियन वापस लाने की कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि प्लान यह था कि वेस्टइंडीज हफ़्ते के बीच में भारत से फ्लाइट ले ले, हालांकि कोई पक्की तारीख नहीं बताई गई थी। हालांकि, वेस्टइंडीज कोलकाता में ही है, जहां वे 1 मार्च को सुपर आठ के फाइनल मैच में भारत से हार गए थे।

पिछले वीकेंड शुरू हुए इस संकट की वजह से आम एयरस्पेस कॉरिडोर बंद होने से, आईसीसी को टीमों के लिए वापसी की फ़्लाइट का इंतजाम करने में एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बुधवार को जिम्बाब्वे के लिए अच्छी खबर आई, जब आईसीसी द्वारा उनके ट्रैवल इंतजामों में बदलाव करने के बाद उनकी टीम के सदस्यों का पहला बैच दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया।

वेस्टइंडीज की तरह जिम्बाब्वे ने भी टी 20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से खेला था जिसमें वह हार गया था। जिम्बाब्वे को पहले 2 मार्च को निकलना था, लेकिन वह प्लान कैंसिल कर दिया गया। उनकी टीम के बाकी सदस्यों के ट्रैवल प्लान के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट कन्फर्म करता है कि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली जिम्बाब्वे की सीनियर मेन्स टीम भारत से घर लौट रही है। हाल ही में आई दिक्कतों के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दूसरे ट्रैवल अरेंजमेंट कर लिए हैं।' 'फ्लाइट की उपलब्धता और बदले हुए रूट की वजह से, टीम बैच में हरारे लौटेगी।' 'ज़िम्बाब्वे का ओरिजिनल ट्रैवल रूट दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से था, लेकिन इसे बदलना पड़ा। पता चला है कि जिम्बाब्वे अब अदीस अबाबा, इथियोपिया होते हुए हरारे जा रहा है।' दक्षिण अफ्रीका बुधवार रात को न्यूजीलैंड से सेमीफाइनल में हार गया, और अब वे घर वापस जाने के अपने शेड्यूल का इंतज़ार करेंगे। अगर इंग्लैंड गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में भारत से हार जाता है, तो उनके वापस आने के प्लान पर भी काम करना होगा।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सं.: एसी/एफएन/एसआर/ 1262/एमओएच/दिनांक 04.03.2026

अभिरुचि अभिव्यक्ति के विज्ञापन के संबंध में

विषयः एफ/नॉर्थ वार्ड के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 'डी' श्रेणी में बहुउद्देशीय कर्मियों के रिक्त पदों को संविदा आधार पर भरने के संबंध में।

एफ/नॉर्थ वार्ड के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले डिस्पेंसरी, कार्यालयों तथा श्मशान घाटों में 'डी' श्रेणी के रिक्त पदों को स्वयंसेवी संस्थाओं (बचत समूहों को छोड़कर) के माध्यम से संविदा आधार पर भरने के लिए, केवल वे संस्थाएं आवेदन करें जिनके पास बृहन्मुंबई महानगरपालिका की डिस्पेंसरी, बृहन्मुंबई महानगरपालिका के कार्यालयों तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका के श्मशान घाटों में संविदा आधार पर बहुउद्देशीय कर्मियों की आपूर्ति करने का कम से कम 1 वर्ष का अनुभव हो।

इच्छुक संस्थाएं जैसे कि भविष्य निधि राज्य तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना में पंजीकृत श्रमिक सहकारी संस्थाएं, सेवा सहकारी संस्थाएं, बेरोजगार सेवा सहकारी संस्थाएं, गैर-सरकारी संस्थाएं (इन सभी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार उपलब्ध कराना होना चाहिए) आदि से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, ताकि उनकी पात्रता सूची तैयार की जा सके तथा लॉटरी के माध्यम से उनका चयन किया जा सके।

आवेदन पत्र 06/03/2026 से 12/03/2026 तक समय 10:30 से 03:00 बजे के बीच एफ/नॉर्थ वार्ड के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक संस्थाएं अधिक जानकारी, आवेदन पत्र तथा शपथपत्र प्रपत्र प्राप्त करने के लिए एफ/नॉर्थ वार्ड के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से संपर्क करें। संस्थाओं द्वारा आवेदन करने की अंतिम तिथि 12/03/2026 समय 05:00 बजे तक है।

निर्धारित कार्यालय समय के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

चिकित्सा अधिकारी (स्वास्थ्य)
एफ/नॉर्थ वार्ड

पीआरओ/3185/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल ⟷ अहमदाबाद के बीच दो सुपरफास्ट विशेष ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन एवं गंतव्य	सेवा की तिथि	प्रस्थान	आगमन
09027	मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद (एसी सुपरफास्ट तेजस विशेष)	07.03.2026	23:45 hrs (शनिवार)	08:30 hrs (अगले दिन)
09028	अहमदाबाद - मुंबई सेंट्रल (एसी सुपरफास्ट तेजस विशेष)	09.03.2026	03:00 hrs (सोमवार)	11:15 hrs (उसी दिन)
संरचना : प्रथम एसी, एसी 2-टियर तथा एसी 3-टियर कोच।				
09021	मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद (एसी सुपरफास्ट विशेष)	08.03.2026	06:20 hrs (रविवार)	12:40 hrs (उसी दिन)
09022	अहमदाबाद - मुंबई सेंट्रल (एसी सुपरफास्ट विशेष)	08.03.2026	15:10 hrs (रविवार)	21:45 hrs (उसी दिन)
संरचना : विस्टाडोम, एक्जीक्यूटिव अनुभूति, एक्जीक्यूटिव चेयर कार तथा एसी चेयर कार कोच।				

उपरोक्त ट्रेनें दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेंगी।

स्टॉपेज, ठहराव के समय तथा संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09027 और 09028 की बुकिंग 06.03.2026 से तथा ट्रेन संख्या 09021 और 09022 की बुकिंग 07.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

सभी आरक्षित टिकटों के लिए कृपया मूल पहचान पत्र साथ रखें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

महानगरपालिका की सामान्य मासिक बैठक मंगलवार, दिनांक 17 मार्च 2026 को दोपहर 2.00 बजे, महानगरपालिका के कार्यालय में निम्नलिखित कार्यों पर विचार करने के लिए आयोजित की जाएगी :-

1. प्रश्नोत्तर।
2. प्रस्तावों की सूचनाओं पर विचार करने के लिए बैठक की तिथि निर्धारित करना।

आयुक्त तथा अन्य के द्वारा प्राप्त पत्राचार :-

3-9. (3) 'पी/दक्षिण' विभाग के अंतर्गत मालाड (पश्चिम), प्रभाग क्रमांक 50 में अहिंसा मार्ग स्थित इंफंट जिसस स्कूल के सामने, न. भू. क्र. 1230/ई/2, 1230/सी और 1228/बी धारण करने वाले खेल के मैदान का नाम 'श्री विठ्ठल रुक्मिणी मैदान' रखना।

(4-6) 'के/पश्चिम' विभाग के अंतर्गत अंधेरी (पश्चिम) में -

(4-5) प्रभाग क्रमांक 65 में वीरा देसाई रोड के पास -

(4) एस. बी.-आई. सन्मान को-ऑपरेटिव सोसायटी से शुभम को-ऑपरेटिव सोसायटी, आजाद नगर रोड नंबर 3 तक के मार्ग का नाम 'अण्णाभाऊ साठे मार्ग' रखना।

(5) जीवन कांचन ऑस्कर ज्योती सोसायटी से सैंड पेबल सोसायटी, आजाद नगर रोड नंबर 3 तक के मार्ग का नाम 'कर्मवीर भाऊराव पाटील मार्ग' रखना।

(6) सात बंगला गार्डन के पास लीफ सात्त बंगला के सामने जे. पी. मार्ग और नाना नानी पार्क मार्ग जहां एक-दूसरे को काटते हैं, वहां बनने वाले अंग्रेजी अक्षर 'वाई' आकार के चौक का नाम 'गीता वसंत यादव चौक' रखना।

(7) 'एम/पश्चिम' विभाग के अंतर्गत चेंबूर में प्रभाग क्रमांक 152 में आर. सी. मार्ग से गावठाण विहीर तक जाने वाले मार्ग का नाम 'शामराव पांडुरंग म्हात्रे मार्ग' रखना।

(8) 'आर/दक्षिण' विभाग के अंतर्गत कांदिवली (पश्चिम) के महावीर नगर में कपोल विद्यानिधि स्कूल के आगे, न. भू. क्र. 94/एफ, 100सी, 101ए, 111 सी, 112 सी धारण करने वाले खेल मैदान का नाम 'माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) मैदान' रखना।

(9) 'ए' विभाग के अंतर्गत प्रभाग क्रमांक 225 में वालचंद हिराचंद मार्ग और डॉ. दादाभाई नौरोजी मार्ग जहां भाटिया बाग के पास एक-दूसरे को काटते हैं, वहां बनने वाले चौक का नाम 'साथी जॉर्ज फर्नांडिस चौक' रखना।

प्रस्तावों की सूचनाएं :-

10. श्री अजित रावराणे द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों में थैलेसीमिया और हीमोफिलिया जैसे रक्त विकारों से पीड़ित मरीजों को संबंधित जांच और उपचार नाममात्र शुल्क पर उपलब्ध कराए जाएं।

11. श्री ताजिंदरसिंह तिवाना द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका मुंबई शहर के 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को नागरिक प्रशासन में अधिक से अधिक भागीदारी दिलाने के लिए 'महापौर नेक्स्ट जेन सिविक फेलोज प्रोग्राम' नामक पायलट परियोजना लागू करे।

12-13. श्रीमती शीतल सु. गंभीर द्वारा -

(12) बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों में संतान प्राप्ति में कठिनाई आने वाले और आर्थिक रूप से सक्षम न होने वाले दंपतियों को 'आईवीएफ' (IVF - इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) उपचार पद्धति की सुविधा अत्यंत कम दरों पर उपलब्ध कराई जाए।

(13) बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा लाइसेंसधारी फेरीवालों को उनकी व्यक्तिगत जानकारी तथा महानगरपालिका के लाइसेंस की संयुक्त जानकारी वाला 'क्यूआर कोड' युक्त पहचान पत्र दिया जाए।

14. श्री विजयेंद्र शिंदे द्वारा प्रस्ताव कि मुंबई शहर के खाली भूखंडों, उद्यानों और मैदानों जैसे स्थानों पर भूमिगत बहुस्तरीय वाहन पार्किंग परियोजनाएं लागू की जाएं।

15. श्रीमती वर्षा स्व. टेंबवलकर द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में महानगरपालिका के जल विभाग के माध्यम से पुरानी जल पाइपलाइन के स्थानों पर तथा नई बिछाई जा रही जल पाइपलाइनों में उन्नत तकनीक आधारित आधुनिक कैमरे लगाए जाएं।

16. श्रीमती श्रद्धा जाधव द्वारा प्रस्ताव कि लोकसभा और विधानसभा की तर्ज पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका की सभा के कार्यवाही का सीधा प्रसारण और ध्वनि रिकॉर्डिंग की जाए।

17. श्रीमती शीतल सु. गंभीर द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों तक पहुंचने के लिए मरीजों के लिए 'निकटतम रेलवे स्टेशन से महानगरपालिका अस्पताल' तक 'बेस्ट' उपक्रम की निःशुल्क बस सेवा शुरू की जाए।

18. श्री सचिन पडवळ द्वारा प्रस्ताव कि मुंबई शहर में महानगरपालिका द्वारा अनुदानित स्कूलों को उपलब्ध कराई जाने वाली बिजली, पानी जैसी सुविधाएं और लगाए जाने वाले विभिन्न कर आवासीय दरों पर वसूले जाएं।

19. श्री अंकित प्रभु द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका की सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण यूट्यूब और प्रसार माध्यमों के माध्यम से किया जाए।

20-21. श्रीमती यामिनी य. जाधव द्वारा -

(20) मुंबई के गिरगांव, दादर, जुहू, वर्सोवा, आक्सा, मार्वे, मढ और गोराई जैसे प्रमुख समुद्र तटों का निरीक्षण कर वहां पर्यटकों के लिए आधुनिक शौचालय, कपड़े बदलने के कमरे, सामान रखने के लिए लॉकर आदि आवश्यक सुविधाएं महानगरपालिका द्वारा सशुल्क उपलब्ध कराई जाएं और उनका उचित रखरखाव किया जाए।

(21) मुंबई के प्रमुख चौक और ऐतिहासिक स्थलों पर पर्यटकों के लिए महानगरपालिका के स्वामित्व वाले किराये पर उपलब्ध खरीद केंद्र, भोजन केंद्र, शौचालय, निर्धारित दूरी पर बैठने की व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और उद्यान क्षेत्र जैसी सुविधाओं के साथ प्रकृति और संस्कृति के संतुलन पर आधारित कलात्मक लैंडस्केप गार्डन विकसित किए जाएं तथा ऐसे वाहनमुक्त, सुंदर, शांत और आरामदायक 'पैदल यात्री अनुकूल क्षेत्र' (Pedestrian Friendly Zones) बनाए जाएं।

22. श्री देरकेकर सु. केर्कर द्वारा प्रस्ताव कि मुंबई शहर में पुनर्विकास तथा आधारभूत परियोजनाओं के निर्माण कार्यों के लिए ध्वनि प्रदूषण नियमों के अनुसार निर्धारित समय में परिवर्तन कर सुबह 7.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक निर्माण कार्यों की अनुमति दी जाए।

23. श्री संदीप पाटील द्वारा प्रस्ताव कि महाराष्ट्र शासन की तर्ज पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका अपने स्वामित्व वाले कर्मचारियों की सहकारी गृहनिर्माण संस्थाओं को किराये पर दिए गए भूखंडों को स्थायी स्वामित्व अधिकार (फ्रीहोल्ड) प्रदान करने के लिए नीति तैयार करे और उसे लागू करे।

24. श्रीमती मीनाक्षी अ. पाटणकर द्वारा प्रस्ताव कि केरल राज्य की तर्ज पर महाराष्ट्र राज्य में भी प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए।

25. श्री अजित रावराणे द्वारा प्रस्ताव कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका अपने प्रत्येक विभागीय कार्यालय के क्षेत्र में पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करे और सभी केंद्रों में निगरानी प्रणाली (सीसीटीवी कैमरे) स्थापित कर कुत्तों के नसबंदी और रेबीज टीकाकरण से संबंधित डिजिटल जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए।

महानगरपालिका कार्यालय,
मुंबई, दिनांक 5 मार्च 2026
क्र. जसंअ / 3198/ विज्ञापन / 2025-26

महापौर के आदेशानुसार,
मंजिरी सं. देशपांडे
महानगरपालिका सचिव

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

जस्टिस सूर्यकांत ने भूटानी न्यायपालिका में तकनीकी सुधार का दिया सुझाव, युवाओं को भारत आने का दिया न्योता

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने गुरुवार को भूटान की न्यायिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी-आधारित सुधारों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि न्याय तक पहुंच तकनीकी प्रगति के अधिक उपयोग पर से निर्भर करती है। उन्होंने थिम्पू में भूटान के रॉयल विश्वविद्यालय में '21वीं सदी में न्याय तक पहुंचः प्रौद्योगिकी, कानूनी सहायता और जनकेंद्रित न्यायालय' विषय पर भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से कहा कि भारत का सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों के साथ मिलकर, भूटानी छात्रों को इंटर्नशिप करने का मौके देंगे, तो अधिक खुशी होगी।

प्रौद्योगिकी इस युग में केवल एक आधुनिक माध्यम- न्यायाधीश सूर्यकांत

उन्होंने कहा कि हमें यह याद रखना चाहिए कि प्रौद्योगिकी इस युग में केवल एक आधुनिक माध्यम है। हमारा कर्तव्य यह सुनिश्चित करना है कि जहां 21वीं सदी के कुछ चीजें जटिल हो गई हैं। वहीं, कुछ चीजें आम लोगों की भाषा की तरह ही सरल और सुलभ बने रहें। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमें यह बात पूरी दृढ़ता से समझनी चाहिए कि न्याय कोई एकांत सद्गुण नहीं है, जो अदालत के भारी लकड़ी के दरवाजों के पीछे बंद हो, बल्कि, यह एक जीवंत उपस्थिति है जिसे दुनिया में, ऊंची घाटियों और हलचल भरे बाजारों में, और लोगों के घरों तक पहुंचने की अनुमति दी जानी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अदालत की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करना गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा है।' मुख्य न्यायाधीश कांत ने जोर देते हुए कहा, 'यदि हम अपनी विरासत के प्रति सच्चे रहना चाहते हैं, तो हमारे तकनीकी सुधारों को न केवल यथास्थिति का डिजिटलीकरण करना चाहिए, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया के मूल सार का लोकतंत्रीकरण भी करना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायिक प्रणाली में मूल रूप से हस्तलिखित दलीलों, मौखिक गवाहों के बयानों, मौखिक प्रस्तुतियों, शायद ही कभी दस्तावेजी साक्ष्यों और केवल एक लिखित निर्णय वाली पारंपरिक फाइलें शामिल थीं। 'ये फाइलें भारी-भरकम थीं, जिसके कारण रिकॉर्ड रखने के लिए जगह की कमी हो जाती थी, अक्सर अपर्याप्त अदालत कक्षों में जहां न्यायिक अधिकारी, पीठासीन न्यायाधीश, अक्सर फाइलों के पीछे छिपे हुए पाए जाते थे।'

21वीं सदी में कानूनी क्षेत्र में एक खास बदलाव

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ बदलाव शुरू हुए, जैसे कि अधिक अदालतों की स्थापना, अतिरिक्त कर्मचारी और रिकॉर्ड कक्षों की स्थापना।' उन्होंने आगे कहा कि महत्वपूर्ण बदलाव केवल 21वीं सदी में आया, जब विश्व स्तर पर कानूनी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी कानूनी कार्यों को करने के तरीके, कानूनी पेशेवरों और

न्यायाधीशों द्वारा सूचनाओं के साथ जुड़ने के तरीके और सबसे महत्वपूर्ण बात, नागरिकों द्वारा न्याय तक पहुंचने के तरीके को फिर से परिभाषित कर रही है।

प्रौद्योगिकी को सोच-समझकर अपनाया है

उन्होंने कहा, 'हमने प्रौद्योगिकी को सोच-समझकर अपनाया है, इसके फायदों का लाभ उठाते हुए हमने निष्पक्षता, उचित प्रक्रिया, पारदर्शिता, मानवीय गरिमा और जवाबदेही जैसे अपने मूल मूल्यों की रक्षा की है।' मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा, 'शुरुआत में कागजी कार्रवाई के मामूली डिजिटलीकरण से शुरू हुआ।

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन से 'डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा

आईआरसीटीसी का विशेष आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक टूर पैकेज लॉन्च 11 रात / 12 दिन की विशेष यात्रा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने 'भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' के माध्यम से 'डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा' नामक विशेष आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक टूर पैकेज की घोषणा की है। यह 11 रात और 12 दिन की यात्रा यात्रियों को राजस्थान की राजसी विरासत और उज्जैन की आध्यात्मिक आस्था का अनूठा अनुभव प्रदान करेगी।

भारत सरकार की 'देखो अपना देश' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल को बढ़ावा देते हुए आईआरसीटीसी इस विशेष पर्यटन यात्रा का संचालन कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को यात्रियों तक पहुंचाना है।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र (मुंबई) के ग्रुप जनरल मैनेजर श्री गौरव झा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष पर्यटक ट्रेन 27 मार्च को सोलापुर से प्रस्थान करेगी। इस यात्रा के लिए यात्रियों को पुणे, लोणावला, कल्याण, वसई रोड और सूरत जैसे प्रमुख स्टेशनों से भी ट्रेन में चढ़ने की सुविधा उपलब्ध होगी।

इस यात्रा के दौरान यात्रियों को उदयपुर की खूबसूरत झीलों का आनंद, नाथद्वारा में श्रीनाथजी के दर्शन, पुष्कर तीर्थ, जोधपुर और जयपुर के ऐतिहासिक किले और महल, खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन तथा उज्जैन में भगवान

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का अवसर प्राप्त होगा। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगी, बल्कि राजस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी करीब से देखने का अवसर देगी।

यात्रियों की सुविधा और बजट को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन में तीन श्रेणियों की व्यवस्था की गई है–

इकोनॉमी क्लास (स्लीपर) - ?19,900 प्रति व्यक्ति

स्टैंडर्ड क्लास (3 एसी) - ?31,920 प्रति व्यक्ति

कंफर्ट क्लास (2 एसी) - ?41,840 प्रति व्यक्ति

लगभग 750 यात्रियों की क्षमता वाली इस विशेष ट्रेन में सोलापुर, पुणे, कल्याण, वसई रोड और सूरत जैसे प्रमुख स्टेशनों पर चढ़ने और उतरने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस यात्रा को 'ऑल-इनक्लूसिव पैकेज' के रूप में तैयार किया गया है। इस पैकेज में रेल यात्रा, शुद्ध शाकाहारी भोजन, होटल में ठहरने की व्यवस्था, स्थानीय दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के लिए बसें, टूर एस्कॉर्ट तथा यात्रियों के लिए यात्रा बीमा जैसी सुविधाएं शामिल हैं, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और यादगार यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके।

बुकिंग और अधिक जानकारी के लिए इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक पर्यटन वेबसाइट या निकटतम आईआरसीटीसी पर्यटन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार का आश्वासनः

देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत सरकार ने आश्वासन दिया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत ऊर्जा सुरक्षा के मामले में फिलहाल मजबूत स्थिति में है।

सूत्रों ने बताया कि भारत प्रतिदिन लगभग 195 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर गैस (एमएमएससीएमडी) आयात करता है, जिसमें से कतर करीब 60 एमएमएससीएमडी की आपूर्ति करता है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण भारत अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश भी कर रहा है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने भारत को गैस बेचने की पेशकश की है।

सरकार कच्चे तेल और एलपीजी की खरीद के लिए प्रमुख तेल उत्पादकों और व्यापारियों के साथ बातचीत कर रही है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के साथ भी चर्चा जारी है। जहाजों के बीमा के मुद्दे पर भारत अमेरिका से भी बातचीत कर रहा है।

सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की राशनिंग की कोई योजना नहीं है। देश की जरूरतों को पूरा करने

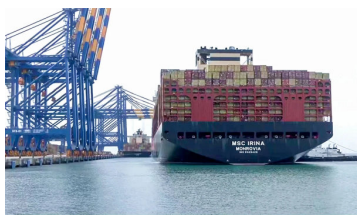

के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं। कतर वैश्विक एलएनजी जरूरतों का लगभग 20 प्रतिशत आपूर्ति करता है और कतर एनर्जी ने मौजूदा हालात को देखते हुए फोर्स मेज्योर घोषित किया है। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जीएआईएल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) भी इसी प्रकार की स्थिति घोषित कर सकती है।

यूएई और अमेरिका के साथ नया समझौता

ऊर्जा आपूर्ति को मजबूत करने के लिए भारत ने हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के साथ नया अनुबंध भी किया है। सूत्रों के मुताबिक सरकार दिन में दो बार ऊर्जा स्थिति की समीक्षा कर रही है। वर्तमान में देश के पास पर्याप्त भंडार है और रोज नए भंडार भी भरे जा रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर एलपीजी, एलएनजी और कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है और भारत अन्य आपूर्तिकर्ताओं से भी संपर्क बनाए हुए है।

आठ सप्ताह का रणनीतिक भंडार

सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत के पास करीब आठ सप्ताह का कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार उपलब्ध है, जिसमें रणनीतिक भंडार भी शामिल हैं। भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत ही होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, इसलिए क्षेत्रीय व्यवधानों का असर सीमित रहने की संभावना है।

पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से की बात, पश्चिम एशिया में तनाव पर की चर्चा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच अहम बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में बिगड़ते हालात पर चिंता जताई और कहा कि हालात को संभालने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता जल्द बहाल होना बेहद जरूरी है। इस बातचीत को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने अपने मित्र फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति से ही संभव है। दोनों नेताओं ने यह भी कहा कि वे क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए एक-दूसरे के साथ संपर्क बनाए रखेंगे और जरूरी समन्वय करेंगे ताकि हालात को जल्द सामान्य किया जा सके।

फ्रांस ने बदली सैन्य रणनीति

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस ने अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव किया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गॉल को

बाल्टिक सागर से भूमध्यसागर की ओर भेजने का आदेश दिया है। इस युद्धपोत के साथ कई फ्रिगेट जहाज भी तैनात किए जा रहे हैं। इसके अलावा इस जहाज के एयर विंग के साथ लड़ाकू विमान भी तैनात किए गए हैं ताकि सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

राफेल और एयर डिफेंस सिस्टम तैनात

फ्रांस ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी और मजबूत कर दी है। राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया कि राफेल लड़ाकू विमान, एयर डिफेंस सिस्टम और हवाई निगरानी के लिए विशेष रडार प्लेटफॉर्म पहले ही तैनात किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर फ्रांस अपने सहयोगी देशों की रक्षा के लिए और कदम भी उठा सकता है। हालांकि फ्रांस ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में सीधे शामिल नहीं है।

ड्रोन हमलों को मार गिराने का दावा

मैक्रों ने कहा कि संघर्ष की शुरुआत के समय फ्रांसीसी सेना ने आत्मरक्षा में कई ड्रोन को मार गिराया था। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई सहयोगी देशों के हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए की गई थी। हालांकि उन्होंने इस सैन्य कार्रवाई के बारे में ज्यादा तकनीकी जानकारी साझा नहीं की। फ्रांस ने यह भी कहा कि उसके सहयोगी देश जानते हैं कि जरूरत पड़ने पर फ्रांस उनके साथ खड़ा रहेगा।

अमेरिका के विमानों को सीमित अनुमति

फ्रांस ने अपने कुछ सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी विमानों को अस्थायी रूप से तैनात रहने की अनुमति दी है। फ्रांसीसी रक्षा अधिकारियों ने कहा कि यह अनुमति केवल क्षेत्र में सहयोगी देशों की सुरक्षा के समर्थन के लिए दी गई है। उन्होंने साफ किया कि फ्रांस ने यह शर्त रखी है कि इन ठिकानों का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ किसी हमले के लिए नहीं किया जाएगा। फ्रांस का कहना है कि उसका उद्देश्य केवल क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना और अपने सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

'इनके दामन पर कोई दाग नहीं' अमित शाह ने की नीतीश कुमार की जमकर तारीफ, कहा- 'स्वर्णिम अध्याय' है उनका कार्यकाल

नई दिल्ली। गुरुवार को बिहार में एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला, जब मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नीतीश कुमार के अलावा, उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन सहित अन्य एनडीए उम्मीदवारों ने भी उच्च सदन के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने दो दशकों से अधिक समय तक इस पद पर रहने के बाद राज्यसभा के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा की थी और मौजूदा चुनाव में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। 75 वर्षीय नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि नए मंत्रिमंडल को उनका पूरा समर्थन प्राप्त होगा।

नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा कि मैं नितिन नबीन, नीतीश कुमार, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और सुदेश राम के राज्यसभा नामांकन समारोह में शामिल होने पटना आया हूँ। नितिन नबीन ने राज्य में एक लंबे

और सफल राजनीतिक करियर के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और अब राज्यसभा के माध्यम से संसद में भी अपना योगदान देंगे। आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इसके साथ ही, लंबे अंतराल के बाद वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे।

शाह ने कहा कि नीतीश कुमार 2005 से अब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनका कार्यकाल वास्तव में गौरवशाली रहा। यह कार्यकाल बिहार के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में लिखा जाएगा, जिसने बिहार के विकास के सभी पहलुओं को आकार दिया। विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने लंबे करियर में उनका कुर्ता कभी कलंकित नहीं हुआ। उनका पूरा जीवन भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों तक उन्होंने बिहार की प्रगति में हर तरह से महत्वपूर्ण योगदान दिया, और उन्हीं के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी की सभी पहलें बिहार की जनता तक पहुंचीं।

उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में दिल्ली लौट रहे हैं। मैं और हमारे सभी एनडीए सहयोगी उनका हार्दिक स्वागत करते हैं, और मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल बिहार की जनता द्वारा हमेशा याद रखा जाएगा और सम्मान दिया जाएगा। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को पटना पहुंचे और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। यह घटनाक्रम नीतीश कुमार द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में 20 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद राज्यसभा में जाने की घोषणा के बाद सामने आया है।

यूएई की वायु रक्षा प्रणाली ने दिखाई ताकत, ईरान की 7 में से 6 बैलिस्टिक मिसाइलें हवा में नष्ट

संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि देश की वायु रक्षा प्रणालियों ने ईरान की ओर से दागी गई सात बैलिस्टिक मिसाइलों में से छह को हवा में ही नष्ट कर दिया, जबकि एक मिसाइल यूएई के भीतर गिर गई। इसके अलावा आठ क्रूज मिसाइलों का भी पता लगाकर उन्हें नष्ट कर दिया गया।

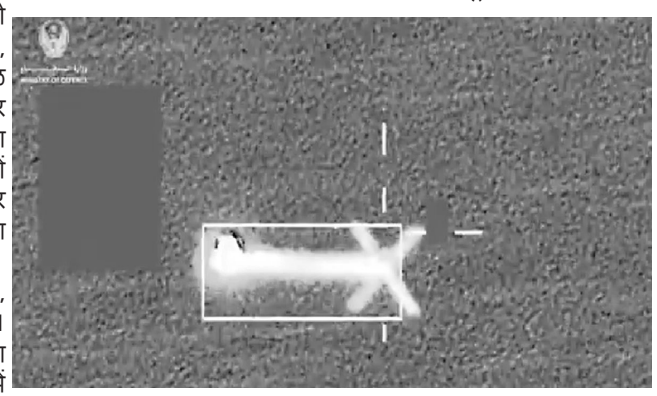

मंत्रालय के अनुसार, हमलों के दौरान 131 ड्रोन का भी पता लगाया गया, जिनमें से 125 को रोककर नष्ट कर दिया गया, जबकि 6 ड्रोन यूएई के भीतर गिरे।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस संघर्ष की शुरुआत से अब तक यूएई की ओर 196 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं, जिनमें से 181 को नष्ट कर दिया गया, 13 समुद्र में गिरीं और 2 देश के भीतर गिरीं। इसी अवधि में 1,072 ईरानी ड्रोन का पता लगाया गया, जिनमें से 1,001 को नष्ट कर दिया गया, जबकि 71 ड्रोन देश के भीतर गिरे।

इन हमलों में पाकिस्तानी, नेपाली और बांग्लादेशी नागरिकों की तीन-तीन मौतें हुई हैं। इसके अलावा अमीराती, मिस्री, इथियोपियाई, फिलिपिनो, पाकिस्तानी, ईरानी, भारतीय, बांग्लादेशी, श्रीलंकाई, अज़रबैजानी, यमनी, युगांडाई, इरिट्रियाई, लेबनानी, अफगानी, बहरीनी, कोमोरियाई और तुर्की नागरिकों सहित 94 लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

यूएई रक्षा मंत्रालय ने इन हमलों को राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया है। मंत्रालय ने कहा कि देश किसी भी खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और देश की सुरक्षा, स्थिरता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मध्य पूर्व में तनाव कम कराने के लिए चीन भेजेगा अपना विशेष दूत

बीजिंग। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच चीन ने तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक पहल शुरू की है। चीन ने घोषणा की है कि वह मध्य पूर्व मामलों पर अपने विशेष दूत झाई जून को जल्द ही क्षेत्र में भेजेगा, ताकि संघर्ष को कम करने और संवाद को बढ़ावा देने में मदद मिल सके।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन का मानना है कि विवादों का समाधान केवल संवाद और बातचीत के माध्यम से ही संभव है और संघर्ष का लगातार बढ़ना किसी के भी हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन मध्य पूर्व में तनाव कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम करेगा।

माओ निंग ने बताया कि चीन के विशेष दूत झाई जून को जल्द ही मध्य पूर्व भेजा जाएगा। चीन इस दौरान सभी संबंधित पक्षों के साथ संवाद बनाए रखेगा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर तनाव कम करने के लिए आम सहमति बनाने की कोशिश करेगा।

उन्होंने कहा कि बीजिंग मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है और पिछले कुछ दिनों में कई देशों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा गया है।

विदेश मंत्री वांग यी ने कई देशों से की बातचीत

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने क्षेत्रीय हालात पर चर्चा करने के लिए रूस, ईरान, ओमान, फ्रांस, इजरायल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्षों से फोन पर बातचीत की है। उन्होंने बातचीत के दौरान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का सम्मान करने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बल प्रयोग से बचने पर जोर दिया।

संघर्ष लगातार बढ़ रहा

पश्चिम एशिया में तनाव तब और बढ़ गया जब हाल ही में अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौत हो गई। इसके बाद ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कई अरब देशों में ड्रोन और मिसाइल हमले किए।

संघर्ष अब छठे दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इजरायली संपत्तियों को निशाना बनाया है, वहीं इजरायल ने तेहरान पर हमले जारी रखते हुए संघर्ष को लेबनान तक फैलाया और हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भी कार्रवाई की है।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच यूएई में भारतीय दूतावास की एडवाइजरी, भारतीयों से सतर्क रहने की अपील

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थित भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क और शांत रहने तथा स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यूएई और आसपास के क्षेत्र में हालात पर नजर रखी जा रही है। इसलिए यूएई में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे यूएई प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें और समय-समय पर जारी आधिकारिक सलाहों का अनुसरण करें।

उड़ानों की स्थिति

दूतावास ने बताया कि मौजूदा हालात

के कारण हवाई क्षेत्र और नियमित उड़ान सेवाएं अभी भी सीमित या निलंबित हैं। हालांकि यूएई और भारतीय एयरलाइंस ने यूएई अधिकारियों के समन्वय से भारत के विभिन्न शहरों के लिए सीमित गैर-निर्धारित उड़ानें शुरू की हैं। फंसे हुए भारतीय नागरिक अपनी संबंधित एयरलाइंस से संपर्क कर इन उड़ानों का लाभ उठा सकते हैं।

पासपोर्ट और कांसुलर सेवाएं जारी

दूतावास ने स्पष्ट किया कि अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास और दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में पासपोर्ट, कांसुलर और वीजा सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।

24 घंटे हेल्पलाइन जारी

यूएई में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए दूतावास ने 24×7 हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं–

टोल-फ्री नंबरः 800-46342

व्हाट्सएपः +971 543090571

ईमेलः pbsk. dubai@mea.gov.in

ईमेलः ca.abudhabi @mea.gov.in

भारतीय दूतावास ने कहा कि भारत सरकार विदेशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। अबू धाबी और दुबई स्थित भारतीय मिशन यूएई के अधिकारियों और भारतीय समुदाय के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में हैं और क्षेत्र की स्थिति पर उच्च स्तर पर निगरानी रखी जा रही है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)